हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 27 अप्रैल, 2025

तापमान

अधिकतम 40 .5 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

11 ट्रैफिक नियमों का पालन हर नागरिक का कर्तव्य : सुरेश

12 नाट्य कार्यशाला में रंगमंच की कला सीख रहे हैं बच्चे

खबर संक्षेप

तीतरपुर इस्तपुर गांव से ट्रांसफार्मर चोरी

रेवाड़ी। तीतरपुर इस्तपुर से चोर एक 25 केवी क्षमता का बिजली ट्रांसफार्मर चोरी कर ले गए। बिजली निगम के जेई ओमकुमार ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसके पास लाइनमैन सागरजीत का फोन आया था। उसने बताया कि गांव में बाबूलाल के खेत में लगा 25 केवी का ट्रांसफार्मर चोरी हो गया है। इससे बिजली निगम को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। ट्रांसफार्मर से जुड़े उपभोक्ताओं की बिजली बाधित हो गई है। पुलिस ने जेई की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

प्रताड़ना के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत पर दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग से समझौता कराने के प्रयास किए थे। प्रयास सिरे नहीं चढ़ने पर पुलिस ने 22 अप्रैल को केस दर्ज किया था। इस केस में शक्ति नगर निवासी जयप्रकाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य विवाहिता की शिकायत पर 17 अप्रैल को दर्ज किए गए मामले में हाउसिंग बोर्ड निवासी उपेंद्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

कोचिंग की बात करने गई युवती लापता

बावल। कसोला थाना क्षेत्र के एक गांव से कोचिंग के लिए निकली एक युवती लापता हो गई। पुलिस शिकायत में युवती की मां ने बताया कि उसकी बेटी 25 अप्रैल को गांव की एक अन्य युवती के साथ रेवाड़ी गई थी। दूसरी युवती घर लौट आई, लेकिन उसकी बेटी नहीं आई। युवती से पूछताछ करने पर बताया कि वह शाम तक आ जाएगी। शाम को संपर्क करने पर उसने एक नंबर दिया, जो बंद पाया गया। महिला ने युवती पर उसकी बेटी को छुपाने का आरोप लगाया है। कसोला पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद युवती की तलाश शुरू कर दी।

पातुहेड़ा गांव से बिजली ट्रांसफार्मर चोरी

बावल। क्षेत्र में ट्रांसफार्मर चोर गिरोह एक बार सक्रिय हो गया है। पातुहेड़ा गांव से चोर एक बिजली ट्रांसफार्मर चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में बिजली निगम के जेई ने बताया कि उसे गांव निवासी कृष्ण ने आकर बताया कि उसके खेत में लगा हुआ बिजली ट्रांसफार्मर चोरी हो गया है। इससे उसकी बिजली बाधित हो गई है। ट्रांसफार्मर की कीमत करीब 70 हजार रुपये है। कसोला थाना पुलिस ने निगम अधिकारी की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

दहेज उत्पीड़न के मामले में पिता-पुत्र गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज के लिए प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। कई बार पुलिस थाने बुलाने के बाद भी दोनों पक्ष समझौता करने के लिए तैयार नहीं हुए। इसके बाद पुलिस ने 31 मार्च को ससुराल पक्ष के लोगों पर केस दर्ज कर लिया। इस मामले में नारनौल के नवाज नगर निवासी विनीत व उसके पिता कृष्ण को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

स्कूटी की टक्कर से बाइक सवार घायल

रेवाड़ी। स्कूटी की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र घायल हो गए। उष्मापुर निवासी ओमकार अपने बेटे रविंद्र के साथ बावल की कंपनी में ड्यूटी जाने के लिए बाइक से निकला था। गांव से कुछ दूर आगे चलते ही स्कूटी ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों बाप-बेटा घायल हो गए। ओमकार ने गांव के ही लड़के पर बाइक को टक्कर मारने का आरोप लगाया है।

बिना लाइसेंस कमर्शियल खरीद पर लगाई गई है पाबंदी

दाम बढ़ने की आस में सरसों का कर रहे भंडारण, मंडियों में मंद पड़ने लगी आवक

रेवाड़ी। एक गोदाम से पकड़ी गई बिना लाइसेंस खरीदी गई सरसों व अनाजमंडी में लगी सरसों की ढेरियां। *फोटो: हरिभूमि*

सीएम फ्लाइंग की ओर से पकड़ा जा चुका सरसों का अवैध स्टॉक

एक व्यापारी के खिलाफ हो चुकी है कार्रवाई

नरेन्द्र वत्स ⏭रेवाड़ी

सरसों के दामों में वृद्धि की संभावना को देखते हुए व्यापारियों ने सरसों की प्राइवेट खरीद और भंडारण पर जोर दिया हुआ है, जिससे सरकारी खरीद प्रक्रिया पर असर पड़ने लगा है। सीएम फ्लाइंग की ओर से सरसों का अवैध स्टॉक पकड़ा जा चुका है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में व्यापारी सरसों की खरीद करने के बाद इसका भंडारण करने में लगे हुए हैं।

जिले में 100 से अधिक स्थानों पर सरसों का भंडारण किए जाने का अनुमान है। सरसों का सरकारी समर्थन मूल्य 5950 रुपये प्रति क्विंटल है। इस बार मार्केट रेट भी एमएसपी के लगभग बराबर ही चल रहा है। सरकारी एजेंसियां सरसों की खरीद नमी के स्तर को देखकर करती हैं, जबकि व्यापारी सरसों में तेल की मात्रा के हिसाब से सरसों खरीदते हैं।

जिस सरसों में तेल की मात्रा 41 फीसदी तक पाई जाती है, उसे व्यापारी 6 हजार रुपये प्रति क्विंटल तक के दामों में खरीदने के लिए तैयार हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस बार सरसों के दामों में आगे चलकर वृद्धि हो सकती है, जिस कारण सरसों का कारोबार करने वाले व्यापारी खरीद के बाद सरसों का स्टॉक करने लगे हैं। मार्केट कमेटी से लाइसेंस के बिना सरसों की खरीद और भंडारण अवैध माना जाता है। इसके बावजूद मंडियों से लेकर गांवों तक में बिना लाइसेंस सरसों की खरीद और भंडारण हो रहा है। बीते सप्ताह सीएम फ्लाइंग ने बावल एरिया में सरसों का अवैध भंडारण पकड़ा था, जिस पर मार्केट कमेटी के अधिकारियों ने जुर्माना लगाया था। इसके बावजूद जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग सरसों का अवैध रूप से भंडारण करने में लगे हुए हैं। बड़ी संख्या में गोदाम सरसों से भरे जा चुके हैं, जबकि गांवों ही सरसों की एमएसपी के समान रेट या इससे कुछ ज्यादा पर खरीद की जा रही है।

स्टॉक करने वालों का लगा रहे पता

सरसों का बिना लाइसेंस भंडारण करना गैर कानूनी है। स्टॉक करने वाले लोगों का पता लगाया जा रहा है। जहां भी सरसों का अवैध भंडारण पाया जाएगा, वहां नियमानुसार भंडारण करने वाले पर कार्रवाई की जाएगी।
-सतप्रकाश, जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी।

डीसी के समय पर भुगतान के निर्देश

दूसरी ओर डीसी अभिषेक मीणा ने खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसानों को समय पर भुगतान किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। लिफ्टिंग कार्य में तेजी लाई जाए ताकि मंडियों में जगह की कमी न हो और नई फसल की आवक बाधित न हो। खरीद एजेंसियों द्वारा स्टोरेज व्यवस्था को बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जाए, जिससे खरीदी गई सरसों का सुरक्षित भंडारण किया जा सके। किसानों की सुविधा के लिए अनाज मंडियों में जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

अभी तक 55 हजार टन आवक हुई

मार्केट कमेटी के आंकड़ों के अनुसार जिले में अभी तक कुल 54693.28 मीट्रिक टन सरसों की आवक और 54693.28 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हो चुकी है। इसमें से 37943.71 मीट्रिक टन सरसों की लिफ्टिंग पूरी हो चुकी है और शेष लिफ्टिंग का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। वहीं गेहूं की जिले में 31484.63 मीट्रिक टन आवक तथा 31425.88 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है, जबकि 26024.5 मीट्रिक टन का उठान हो चुका है। सरसों की आवक मंद पड़ने के बाद उठान की समस्या भी जल्द खत्म हो जाएगी।

सरकार के रुख पर रहेगा दारोमदार

जानकार सूत्रों के अनुसार अगर सरकार एमएसपी पर खरीदी गई सरसों और मार्केट में बेचती है, तो इससे मार्केट रेट बढ़ने की संभावना नहीं रहेगी। अगर सरकार स्टॉक रोके रखती है, तो डिमांड बढ़ने से सरसों के रेट बढ़ने की संभावना रहेगी। साथ ही तेल आयात और निर्यात की पॉलिसी से भी सरसों के दामों पर पूरा असर पड़ेगा।

किसानों के खेत और घरों पर ही एमएसपी के समान दामों पर खरीद होने से किसान मंडियों तक लाने में होने वाले खर्च से बचने के लिए सरसों बिक्री कर रहे हैं। इससे मंडियों में सरसों की आवक मंद पड़ने लगी है।

रेवाड़ी। एचएसएनसीबी की टीम के साथ नशा तस्करी के आरोपी। *फोटो: हरिभूमि*

भारी मात्रा में चरस समेत दो तस्करों को दबोचा

- एचएनसीबी की टीम झज्जर की सीमा में की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

एचएसएनसीबी की टीम को नशा तस्करों पर शिकंजा कसने में उस समय बड़ी सफलता मिली, जबकि ब्यूरो की टीम ने कोसली के पास झज्जर के साल्हावास में नहर के पास भारी मात्रा में चरस के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ साल्हावास पुलिस थाने में केस दर्ज कराया गया है। ब्यूरो की टीम को सूचना मिली थी कि साल्हावास नहर की पटरी पर दो लोग नशीले पदार्थ की खरीद-फरोख्त कर रहे हैं।

डीएसपी गजेंद्र कुमार ने ब्यूरो की एक टीम को माके पर जाने के निर्देश दिए। ब्यूरो की टीम मौके पर पहुंची तो वहां मौजूद दो लोगों ने भागने का प्रयास किया। ब्यूरो की टीम ने पीछा करते हुए दोनों को काबू कर लिया। तलाश के दौरान दोनों के कब्जे से 523 ग्राम चरस बरामद हुई। काबू किए गए आरोपियों में एक साल्हावास का रहने वाला साहिल व दूसरा अकेड़ी मदनपुर का रहने वाला रिशु है। दोनों के खिलाफ साल्हावास पुलिस थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कराया गया है। आरोपियों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

नशा तस्करों के बारे में तुरंत दें सूचना

एचएसएनसीबी के डीएसपी गजेंद्र कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देश पर एचएसएनसीबी लगातार नशा तस्करों पर काबू पाने में सफल हो रहा है। नशामुक्त समाज के लिए आमजन का सहयोग जरूरी है। लोगों को चाहिए कि नशा तस्करों के बारे में पता चलते ही डायल 1933 या ब्यूरो के टोल फ्री नंबर 90508-91508 पर सूचना दें। सूचना देने वाले का नाम व पता पूरी तरह गुप्त रखा जाता है।

बास रोड पर घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

धारूहेड़ा। बास रोड के पास एक कॉलोनी से चोर एक घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में कॉलोनी निवासी राधे ने बताया कि वह अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी करता है। रात के समय उसने बाइक बाहर खड़ी करने के बाद लॉक कर दी थी। सुबह जब वह घर से बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद बाइक की तलाश शुरू कर दी।

ऊंचे मुकाम के लिए संघर्ष जरूरी : ज्योति

- राजकीय कन्या महाविद्यालय में दूसरी एल्यूमनाई मीट आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

सेक्टर-18 स्थित प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय में शनिवार को दूसरी एल्यूमनाई मीट का आयोजन किया गया।

समारोह में कॉलेज की करीब 50 पूर्व छात्राओं ने शिरकत की। पूर्व छात्राओं ने अपने शिक्षकों व साथियों से मुलाकात की तथा महाविद्यालय में बिताए अपने सुनहरे दिनों को याद किया। प्राचार्य डा. ज्योति यादव ने छात्राओं को शिक्षा देते हुए कहा कि जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल करने के लिए संघर्ष का रास्ता अपनाना पड़ता है। महाविद्यालय में चल रही उड़ान योजना के अंतर्गत छात्राओं को निःशुल्क कोचिंग दी जाती है। प्राचार्य ने पूर्व छात्राओं से आग्रह किया कि वे आगे बढ़कर उड़ान योजना में अपना योगदान देकर वर्तमान छात्राओं को करियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करें। कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र सिंह ने बताया कि 5 सितंबर 2023 को महाविद्यालय में गौरव ज्योति एलुमिना एसोसिएशन का गठन किया गया था। गौरव ज्योति एलुमिना एसोसिएशन की अध्यक्ष मिस नेहा, उपाध्यक्ष मिस पिंकी एवं महासचिव मिस लाजवंती ने कार्यक्रम का संचालन किया। डा. सुचेता के मंच संचालन में हुए कार्यक्रम में अनेक पूर्व छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में प्राचार्य व शिक्षकों के साथ पूर्व छात्राएं। *फोटो: हरिभूमि*

रैली के दौरान स्वच्छता की दिलाई शपथ

- कानोड गेट से नाईवाली चौक तक चला सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने की मुहिम के तहत शनिवार को विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की अगुवाई में सरकुलर रोड़ पर कानोड गेट से नाईवाली चौक तक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

इस दौरान विधायक ने शहर थाना परिसर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण भी किया तथा हवन में आहुति डालकर शहरवासियों की मंगल कामना की। सफाई अभियान कानोड गेट से प्रारंभ होकर शहर थाना परिसर, ऑटो मार्केट होते हुए नाईवाली चौक तक चलाया गया। आई लव रेवाड़ी मुहिम के तहत स्वच्छता अभियान से जुडे लोगों के साथ विधायक ने भी सफाई की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने जागरुकता रैली निकालकर सभी को सफाई के लिए प्रेरित किया। नाईवाली चौक स्थित अमर शहीद राव तुलाराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस मौके पर पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों की आत्मिक शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में सफाई योद्धाओं को सम्मानित किया गया। सभी को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। इस मौके पर उनकी अगुवाई में इंदौर रवाना होने वाले सफाई योद्धाओं के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर तैयारियों पर चर्चा भी की गई।

रेवाड़ी। अभियान के तहत जागरुकता रैली निकालते विधायक व लोग।

अपने उद्देश्य की ओर बढ़ रहा अभियान

इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि स्वच्छता अभियान लगातार अपने उद्देश्य की ओर बढ़ रहा है। शहर के प्रमुख चार स्थानों पर बने अस्थाई डंपिंग स्थानों को समाप्त कराकर स्थाई रूप से सफाई करा दी गई है। यह सब स्वच्छता टीम एवं आमजन के सहयोग से ही संभव हो पाया है। रेवाड़ी को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के साथ-साथ विकास के मामले में भी किसी से पीछे नहीं रहने दिया जाएगा। राव तुलाराम पार्क का कायाकल्प के लिए 85 लाख रुपये पास हो गए हैं तथा जल्द ही इसका टेंडर छोड़ा जाएगा। इंदौर आज देश का सबसे सुंदर एवं साफ-सुथरा शहर है। वहां की व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली को जानने के लिए सफाई योद्धाओं तथा स्वच्छता टीम के दो दर्जन से अधिक सदस्य इंदौर का दौरा करने जा रहे हैं।

प्रदीप ठेकेदार महामंत्री व सरपंच हेमंत बने खोरी मंडल भाजपा के उपाध्यक्ष

कुंड। समाजसेवी प्रदीप ठेकेदार नारायणपुर को खोरी मंडल भाजपा का महामंत्री और सरपंच हेमंत यादव को मंडल उपाध्यक्ष बनाया गया है। खोरी मंडल भाजपा सरपंच नरेश यादव ने जिला अध्यक्ष वंदना पोपली व शीर्ष नेतृत्व से विचार विमर्श करके मंडल कार्यसमिति के पदाधिकारियों की घोषणा की, जिसमें भूप शर्मा, सुभाष, अमर सिंह उपाध्यक्ष, अरुण महामंत्री, राकेश चौहान, पिंकी, निशा राठौड़, सुशीला व रेखा मंत्री तथा मनोज को कोषाध्यक्ष बनाया गया। मंडल अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी। प्रदीप ठेकेदार और सरपंच हेमंत यादव ने कहा कि पार्टी ने उनको जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वे पूरी ईमानदारी व निष्ठा से निर्वहन करेंगे।

आंधी में साइन बोर्ड उड़े, आज भी बादल छाए रहने की संभावना

बादल छाने से लुढ़का पारा, गर्मी से थोड़ी राहत

- तेज आंधी आने के कारण बिजली के कई फीडर भी हो गए बंद
- कई इलाकों में मामूली बूंदाबांदी से मौसम हो गया खुशगवार

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

भारी गर्मी का सामना कर रहे लोगों को आसमान में छाए बादलों ने राहत दिलाने का काम किया है। तापमान में 2.0 डिग्री तक की कमी के कारण हीटवेव का असर कम हो गया। शाम तक मौसम बूंदाबांदी का बना रहा।

रविवार को भी आसमान में आंशिक बादल छा सकते हैं, जिससे तापमान में कमी बरकरार रह सकती है। शाम के समय तेज आंधी आने के कारण बिजली के कई फीडर भी बंद हो गए। निगम अधिकारियों ने आंधी थमने के बाद बारी-बार इन फीडरों को चालू किया। शनिवार को सुबह के समय आसमान साफ रहा। दोपहर तक आसमान में घने बादल छा गए। बादलों ने सूर्यदेव को अपने आगोश में ले लिया, जिससे भारी गर्मी का असर कम हो गया। अधिकतम तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस गिरकर 40.5 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान भी 1.5 डिग्री की गिरावट के साथ 21 डिग्री पर आ गया।

इससे पूर्व बीते शुक्रवार को अधिकतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था, जिससे दिन भर लोगों का गर्मी में बुरा हाल हो गया था। बाजार से लेकर सड़क तक पर भारी गर्मी का असर देखने को मिल रहा था। लोग हीटवेव के कारण घरों से बाहर निकलने से बच रहे थे। दोपहर बाद आसमान में घने बादल छाए गए। शाम को तेज आंधी के साथ कुछ इलाकों में मामूली बूंदाबांदी भी हुई, जिससे मौसम खुशगवार हो गया।

रेवाड़ी। शनिवार शाम आसमान में छाए घने बादल। *फोटो: हरिभूमि*

तेज आंधी से बाधित हुई बिजली

शनिवार को शाम के समय धूल भरी तेज आंधी ने लोगों को काफी परेशान किया। आंधी के साथ मामूली बूंदाबांदी भी हुई। आंधी आते ही बिजली निगम ने दो दर्जन से अधिक फीडरों को बंद कर दिया, ताकि फॉल्ट की आशंका नहीं बन पाए। आंधी रुकने के बाद इन फीडरों को चालू किया गया। तीन-चार फीडर फॉल्ट के कारण देर शाम तक चालू नहीं हो सके थे। बिजली का लोड शाम के समय काफी कम हो गया था। आंधी के कारण दुकानों के सामने लगे साइन बोर्ड तक उड़ गए।

सोने में तेजी से गोल्ड ईटीएफ का चला जादू, चौंका रहा रिटर्न

● रिटर्न देने में एसआईपी को भी पीछे छोड़ा ● सोने के ईटीएफ ने निफ्टी ईटीएफ को भी पछाड़ा ● एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में 54.35% का रिटर्न मिला ● गोल्ड ईटीएफ में मार्च में मुनाफा वसूली देखी गई

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सोने में आई तेजी ने कई फंड में भी तेजी ला दी है। पिछले एक साल में एसआईपी रिटर्न के मामले में गोल्ड ईटीएफ ने निफ्टी ईटीएफ को काफी पीछे छोड़ दिया है। जानकारों के मुताबिक आने वाले दिनों में सोने में और तेजी बनी रह सकती है। वहीं, कुछ जानकारों के मुताबिक इसकी कीमत में कुछ गिरावट की भी उम्मीद है। अगर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो अच्छे रिटर्न के लिए आपको अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है। सोने में तेजी से इससे जुड़े फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। सोने की कीमतें इस समय एक लाख के आसपास चल रही है। मंगलवार को तो 1800 रुपये का उछाल आया और 10 ग्राम सोना 1 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया। एक विश्लेषण के मुताबिक, पिछले एक साल में एसआईपी रिटर्न के मामले में गोल्ड ईटीएफ ने निवेशकों को चमका दिया है। यानी निवेशकों को भरपूर रिटर्न मिल रहा है। ऐसे में निवेशक अब सोने की तरफ अग्रेसित हो रहे हैं।

क्या है गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ एक ऐसी एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड है, जिसमें सोने की कीमत को ट्रैक करने के लिए निवेश किया जाता है। यह एक ऐसी संपत्ति है जो सोने की कीमत के साथ बढ़लती है, जैसे कि अगर सोने की कीमत बढ़ती है, तो गोल्ड ईटीएफ की कीमत भी बढ़ेगी। यह भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन उसे शारीरिक रूप से रखने की आवश्यकता नहीं होती है। यह निवेशकों को सोने में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है बिना भौतिक सोना खरीदने की आवश्यकता के।

सोने में निवेश करने के ये भी ऑप्शन

- **सोने के सिक्के या बार :** सोने के सिक्के या बार खरीदना एक पारंपरिक तरीका है।
- **सोने के जेवर:** सोने के जेवर भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **गोल्ड म्यूचुअल फंड्स :** गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **गोल्ड म्यूचुअल फंड्स के फायदे:** गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।
- **सोने के शेयर:** सोने के शेयरों में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **सोने के शेयरों के फायदे:** सोने के शेयरों में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।
- **ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म:** जैसे कि पेटीएम गोल्ड, गोल्डबाजार, आदि पर सोने में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर सोने में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

यह मिलता रिटर्न

अगर किसी ने एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में हर महीने 10,000 रुपये का एसआईपी किया होता, तो उसे एक साल में 54.35% का रिटर्न मिलता। वहीं, एसबीआई निफ्टी 50 ईटीएफ में इतना ही निवेश करने पर सिर्फ 2.93% रिटर्न मिलता। अन्य 16 गोल्ड ईटीएफ ने पिछले एक साल में 48.32% से 54.85% तक का रिटर्न दिया है। एक्सिस गोल्ड ईटीएफ ने 54.85% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 48.32% का रिटर्न दिया है।

बाकी ईटीएफ का क्या हाल

15 निफ्टी 50 ईटीएफ ने 2.87% से 3.03% तक का रिटर्न दिया। इनमें क्वांटम निफ्टी 50 ईटीएफ एफओएफ ने 3.03% और इनवेस्को इंडिया निफ्टी 50 ईटीएफ ने 2.87% का रिटर्न दिया। बाजार के जानकारों का मानना है कि सोने में उतार-चढ़ाव अभी जारी रहेगा। जोखिम उठाने वाले निवेशक इस तेजी का फायदा उठा सकते हैं, जबकि सावधानी बरतने वाले निवेशक गिरावट का इंतजार कर सकते हैं।

आगे मजबूती या गिरावट

एक अन्य फर्म का कहना है कि कि सोने की कीमतें अगले कुछ महीनों में मजबूत बनी रह सकती है। केंद्रीय बैंकों द्वारा सोना खरीदना, ब्याज दरों में कमी की उम्मीद, डॉलर का कमजोर होना, महंगाई, आर्थिक अनिश्चितता (टैरिफ से जुड़े जोखिम सहित) और ईटीएफ में निवेश बढ़ने से सोने की कीमतों को सहारा मिल रहा है। फंड हाउस ने आगे कहा, हालांकि थोड़े समय के लिए कीमतों में गिरावट आ सकती है, लेकिन लंबे समय के लिए सोने की कीमतें मजबूत रहने के संकेत है। एएमएफआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में गोल्ड ईटीएफ से 77 करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि फरवरी में 1,979 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था, लेकिन वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 14,852 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो पिछले साल के मुकाबले 183% अधिक है। मार्च में गोल्ड ईटीएफ में उलटफेर देखने को मिला, जिसमे फरवरी के 1,979.84 करोड़ रुपये के निवेश के मुकाबले 77.21 करोड़ रुपये की निकासी हुई। ये मुनाफा वसूली के लिए हुआ।

मुख्य विशेषताएं

1. **सोने की कीमत के साथ जुड़ा :** गोल्ड ईटीएफ की कीमत सोने की कीमत के साथ जुड़ी होती है, इसलिए निवेशकों को सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव का लाभ मिल सकता है।
2. **एक्सचेंज पर ट्रेडिंग :** गोल्ड ईटीएफ को स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड किया जा सकता है, जैसे कि शेयर।
3. **लिक्विडिटी :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने से निवेशकों को लिक्विडिटी का लाभ मिलता है, क्योंकि वे अपने निवेश को आसानी से बेच सकते हैं।
4. **पारदर्शिता :** गोल्ड ईटीएफ की कीमतें और होल्डिंग्स पारदर्शी होती हैं, जिससे निवेशकों को अपने निवेश के बारे में जानकारी मिलती है।

ऐसे करता है काम

- **भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व :** गोल्ड ईटीएफ एक यूनिट के रूप में भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करते हैं, आमतौर पर एक ग्राम सोने के बराबर।
- **स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार :** इन फंड्स को शेयर बाजार में खरीदा और बेचा जा सकता है, जैसे कि अन्य स्टॉक।
- **निवेश का सरल तरीका :** यह सोने में निवेश करने का एक आसान और सुलभ तरीका है, क्योंकि भौतिक सोना खरीदने, रखने और सुरक्षित करने की तुलना में यह सरल है।
- **कम अस्थिरता :** गोल्ड ईटीएफ, इक्विटी की तुलना में कम अस्थिर होते हैं।
- **सुरक्षा :** भौतिक सोने के रूप में, यह मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के खिलाफ एक बचाव के रूप में काम कर सकता है।
- **निवेश :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने के लिए, आपको एक डीमैट और ट्रेडिंग खाता खोलना होगा। इसके बाद आप अपनी निवेश की यात्रा शुरू कर सकते हैं और समय आने पर बढ़िया मुनाफा भी कमा सकते हैं। निवेश का लंबा लक्ष्य बनाकर चलें।

कुछ टिप्स अपनाएं और घटाएं होम लोन की ईएमआई का बोझ

सुझाव
बिजनेस डेस्क

कुछ आसान से तरीके आपकी परेशानी को कर सकते हैं कम
●
लोन की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम कर सकते हैं
●
मकान खरीदने के लिए अधिक से अधिक डाउन पेमेंट करें
●
अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर कम ब्याज दर पर लोन मिलता है

हर किसी का मन होता है कि अपने सपनों का घर खरीदे, लेकिन इस महंगाई के जमाने में शहरी इलाकों में घर लेना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में लोग होम लोन का सहारा लेते हैं और होम लोन की ईएमआई हर महीने भरना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। होम लोन एक प्रकार का ऋण है जो व्यक्तियों को घर खरीदने या बनाने के लिए प्रदान किया जाता है। यह ऋण आमतौर पर बैंक या वित्तीय संस्थान द्वारा प्रदान किया जाता है और इसकी अदायगी कई वर्षों में की जाती है। अगर आप होम लोने के बोझ को कम करना चाहते हैं, तो कुछ आसान टिप्स को अपनाकर राहत पा सकते हैं। हालांकि होम लोन लेने से पहले, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने वित्तीय स्थिति और ऋण की शर्तों को ध्यान से समझें और अपने निर्णय के बारे में सुनिश्चित हों।

डाउन पेमेंट का रखें ध्यान

जब आप घर खरीदते हैं, तो जितना अधिक पैसा शुरू में डाउन पेमेंट के लिए देंगे, उतना ही कम लोन की ईएमआई देना पड़ेगा। कम लोन ईएमआई का मतलब आपको कम ब्याज भी देना होगा। इसलिए, कोशिश करें कि शुरुआत में ही ज्यादा से ज्यादा रकम जमा करें।

लोन की अवधि बढ़ाएं

अगर आपकी मंथली सैलरी कम है, तो आप लोन की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम कर सकते हैं। हालांकि, इससे कुल ब्याज बढ़ सकता है, लेकिन मासिक किस्तें कम हो जाएंगी, जिससे आपकी जेब पर कम दबाव पड़ेगा।

समय-समय पर प्री-पेमेंट करें

अगर आपको बोनस, टैक्स रिफंड या कोई और अतिरिक्त आय मिलती है, तो उसका यूज करके लोन का कुछ हिस्सा पहले चुकाने में करें। इससे आपका मूलधन कम होगा और ब्याज में भी बचत होगी।

बेहतर क्रेडिट स्कोर बनाएं

अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर बैंक आपको कम ब्याज दर पर लोन देते हैं। इसके लिए समय पर बिल और लोन की किश्तें चुकाएं और साथ ही, क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल करें और कर्ज के जाल से खुद को बचाएं।

बैंक बदलने का भी है ऑप्शन

अगर किसी और बैंक में कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा है, तो आप अपने लोन को वहां ट्रांसफर कर सकते हैं। हालांकि, इससे पहले सभी शर्तों और चार्जेस की जानकारी जरूर लें।

फ्लोटिंग रेट लोन चुनें

फ्लोटिंग रेट लोन में ब्याज दर बाजार के अनुसार बदलती रहती है। अगर बाजार में ब्याज दरें कम होती हैं, तो आपकी ईएमआई भी कम हो सकती है। हालांकि, इसमें जोखिम भी होता है, क्योंकि दरें बढ़ भी सकती हैं।

ईएमआई अमाउंट बढ़ाएं

अगर आपकी आय बढ़ी है, तो आप अपनी ईएमआई बढ़ाकर लोन जल्दी चुका सकते हैं। इससे कुल ब्याज में बचत होगी और आप जल्दी कर्ज मुक्त हो जाएंगे।

म्यूचुअल फंड में निवेश करें

अगर आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो कुछ सालों में एक अच्छी राशि जमा हो सकती है। इस राशि का उपयोग लोन का प्री-पेमेंट करने में किया जा सकता है, जिससे लोन की अवधि और ब्याज दोनों कम होंगे।

लोन की अवधि कम करें

अगर आप थोड़ी अधिक ईएमआई दे सकते हैं, तो लोन की अवधि कम रखें। इससे कुल ब्याज में बचत होगी और जल्दी ही कर्ज खत्म हो जाएगा।

होम लोन की विशेषताएं

- लंबी अवधि : होम लोन की अवधि आमतौर पर 10 से 30 वर्षों तक होती है, जिससे आप अपने ऋण को धीरे-धीरे चुका सकते हैं।
- ब्याज दर : होम लोन पर ब्याज दर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम होती है।
- सुरक्षा : होम लोन के लिए घर ही सुरक्षा के रूप में कार्य करता है, जिसका अर्थ है कि यदि आप ऋण का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो बैंक घर को जब्त कर सकता है।

होम लोन के कुछ फायदे

- घर खरीदने में मदद : होम लोन आपको घर खरीदने में मदद कर सकता है जो आपके लिए एक महत्वपूर्ण निवेश हो सकता है।
- लंबी अवधि : होम लोन की लंबी अवधि आपको अपने ऋण को धीरे-धीरे चुकाने में मदद कर सकती है।
- कम ब्याज दर : होम लोन पर ब्याज दर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम होती है।

होम लोन के कुछ नुकसान

- ब्याज का भुगतान : होम लोन पर आपको ब्याज का भुगतान करना होता है, जो आपके ऋण की कुल राशि को बढ़ा सकता है।
- जुर्माना : यदि आप अपने ऋण का भुगतान समय पर नहीं करते हैं तो आपको जुर्माना देना पड़ सकता है।
- घर की जब्ती : यदि आप अपने ऋण का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो बैंक घर को जब्त कर सकता है।

स्वीप-इन-एफडी, जब जरूरत हो निकालें रुपये व ब्याज भी बढ़िया

स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर किया जाता है, इसमें ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान ही होती है, ब्याज निवेश की अवधि पर भी निर्भर करता है

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर बात निवेश की आती है तो ट्रेडिशनल फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। एफडी की बात करें तो यह सेविंग्स अकाउंट से अधिक या तकरीबन डबल ब्याज देता है। बैंकों के सेविंग्स अकाउंट पर जहां 3.5 से 4 फीसदी सालाना के हिसाब से ब्याज मिल रहा है, वहीं फिक्स्ड डिपॉजिट पर 7 से 8 फीसदी ब्याज दर है। हालांकि एफडी में एक तय समय के लिए पैसा ब्लॉक हो जाने से तुरंत लिक्विडिटी की सुविधा नहीं मिलती है। इस वजह से बहुत से लोग सेविंग्स अकाउंट में पैसे पड़े रहने देते हैं। लेकिन अगर आप लिक्विडिटी के साथ हाई इंटरेस्ट रेट चाहते हैं तो आपके लिए स्वीप इन एफडी बेहद काम आ सकती है। स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसमें एफडी के बराबर ब्याज मिलता है। एफडी की स्वीप-इन सुविधा निवेशक को बैंक खाते में अतिरिक्त धनराशि को एफडी अकाउंट में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। कहने का मतलब है कि स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। यानी यह एक प्रकार का फिक्स्ड डिपॉजिट है जो निवेशकों को अपने बचत खाते से अतिरिक्त धनराशि को आटोमैटिक रूप से एफडी खाते में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। इसमें जहां एफडी के बराबर ब्याज मिलता है, वहीं इमरजेंसी में भी तुरंत आप अपने फंड तक पहुंच सकते हैं।

तय करनी होती है लिमिट

स्वीप-इन-एफडी के लिए आपको पहले अपने अकाउंट के लिए एक थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करनी होगी। इस लिमिट से ज्यादा पैसे एक्स्ट्रा पैसे माने जाएंगे। वैसे तो बैंक ही स्वीप थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करना है, लेकिन अकाउंट होल्डर को जरूरत के हिसाब से इसे कस्टमाइज करने का विकल्प भी देता है। यह वह लिमिट होती है, जिससे अधिक पैसे होने पर वह अमाउंट खुद ही एफडी अकाउंट में ट्रांसफर हो जाता है। इस तरह से आपने जो लिमिट तय की है, उसे इमरजेंसी फंड के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं, वहीं एक्स्ट्रा फंड पर आपको एफडी वाला ब्याज मिलने लगेगा।

अवधि और कम से कम निवेश

स्वीप इन एफडी की अवधि 1 साल से 5 साल की होती है। वहीं, बैंक आम तौर पर बचत खाते से स्वीप-इन एफडी में 1 हजार रुपये के मल्टीपल में रकम ट्रांसफर करते हैं। कुछ बैंक निवेशकों के निर्देश के अनुसार 1 रुपये से 1000 रुपये की रेंज में ट्रांसफर की भी अनुमति देते हैं।

कितनी है ब्याज दर

स्वीप-इन एफडी खाते के लिए ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान ही होती है। यह निवेश की अवधि पर भी निर्भर करता है। जैसे एफडी में अलग-अलग अवधि के लिए अलग अलग ब्याज दरें तय होती हैं।

बैंकों में अलग अलग ब्याज दर

बैंक	ब्याज दर
एक्सिस बैंक	5.75%-7.00%
एसबीआई	4.75%-6.50%
एचडीएफसी	4.50%-7.00%
आईसीआईसीआई	4.50%-6.90%
केनरा बैंक	5.50%-6.70%
बैंक ऑफ बड़ौदा	5.50%-6.50%
पीएनबी	4.50%-6.50%
आईडीबीआई	4.50%-4.80%
इंडियन बैंक	3-50%-6.10%
यस बैंक	4.75%-7.00%
डाकघर	6.90%-7.50%
आरबीएल	4.75%-7.00%
आईडीएफसी	4.50%-7.00%

स्वीप-इन एफडी आकर्षक ब्याज दर के साथ हाई लेवल की लिक्विडिटी भी प्रदान करता है।

■

अगर आप अक्सर स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते हैं, तो निकाली गई राशि पर उतना ही ब्याज मिलेगा, जितने दिन वह निवेश रहा है।

पैसे निकालने का क्या है नियम

आम तौर पर स्वीप-इन एफडी अपनी मैच्योरिटी से पहले आपके स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते समय लास्ट इन फर्स्ट आउट (एलआईएफओ) मेथड का उपयोग करते हैं। इसका मतलब है कि अगर आपके बैंक बचत खाते में बैलेंस चेक या एसआईपी के भुगतान के लिए जरूरी धनराशि से कम है, तो एलआईएफओ मेथड का उपयोग करके स्वीप-इन एफडी से राशि निकाल ली जाती है। यानी स्वीप-इन एफडी आपको आकर्षक ब्याज दर के साथ हाई लेवल की लिक्विडिटी भी प्रदान करता है। अगर आप अक्सर स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते हैं, तो निकाली गई राशि पर उतना ही ब्याज मिलेगा, जितने दिन वह निवेश रहा है। स्वीप-इन सुविधा के माध्यम से एफडी में निवेश की गई अतिरिक्त राशि को पूरी एफडी तोड़े बिना निकाला जा सकता है। साथ ही, बैंक एफडी से स्वेप्ट-इन पैसा निकालने पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा।

दंपति के लिए खास स्कीम, हर साल एक लाख से ज्यादा होगी इनकम

पोस्ट ऑफिस एमआईएस में वन टाइम करना होगा डिपॉजिट ● सिंगल अकाउंट के जरिए 9 लाख और ज्वॉइंट के जरिए 15 लाख तक जमा कर सकते है जमा

रिटर्न
बिजनेस डेस्क

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम में अकाउंट खोलने के लिए कम से कम 1000 रुपये निवेश जरूरी, जिसके बाद 1000 रुपये के मल्टीपल में जमा हो सकता है। इसमें सिंगल अकाउंट में अधिकतम 9 लाख रुपये और ज्वॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। ज्वाइंट अकाउंट में हर होल्डर का निवेश में बराबर हिस्सा होता है। इसमें बेनीफिट भी अच्छा मिलता है। यह स्कीम आपके भविष्य के लिए बेहतर हो सकती है।

अगर आप शादीशुदा हैं और रेगुलर इनकम के लिए किसी अच्छी स्कीम की तलाश में हैं तो ध्यान दें। आप सरकारी स्कीम की तरह एक ज्वॉइंट अकाउंट खुलवाकर कर साल 1 लाख 10 हजार रुपये (1.10 लाख रुपये) की इनकम कर सकते हैं। हम बात कर रहे हैं पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम (पीओएमआईएस) के बारे में। आकर्षक ब्याज दरों के साथ, पोस्ट ऑफिस का यह मंथली इनकम अकाउंट निवेश के लिए एक सुरक्षित विकल्प है। इस स्कीम में वन टाइम डिपॉजिट करने पर रेगुलर इनकम का लाभ मिलता रहता है।

ब्याज दर 7.4% सालाना

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम अकांट पर मौजूदा ब्याज दर 7.4 फीसदी सालाना है। इसमें अब सिंगल अकाउंट के जरिए 9 लाख और ज्वॉइंट अकाउंट के जरिए अधिकतम 15 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम अकाउंट सरकार द्वारा समर्थित स्मॉल सेविंग्स स्कीम है, जहां गारंटीड रिटर्न मिलता है। पोस्ट ऑफिस की योजना है तो इसमें 100 फीसदी सुरक्षा की गारंटी है। इसमें सिंगल अकाउंट के साथ ही स्पाउस के साथ मिलकर ज्वॉइंट अकाउंट खोलने की भी सुविधा है।

हर माह कितनी आएगी रकम

ज्वाइंट अकाउंट में

- ब्याज दरः 7.4 फीसदी सालाना
- ज्वॉइंट अकाउंट से अधिकतम निवेशः 15 लाख रुपये
- सालाना ब्याजः 1,11,000 रुपये
- मंथली ब्याजः 9250 रुपये

अगर सिंगल अकाउंट हो तो

- ब्याज दरः 7.4 फीसदी सालाना
- सिंगल अकाउंट से अधिकतम निवेशः 9 लाख रुपये
- सालाना ब्याजः 66,600 रुपये
- मंथली ब्याजः 5550 रुपये

मैच्योरिटी के बाद एक्सटेंड कर सकेंगे

इस स्माल सेविंग्स स्कीम पर 7.4 फीसदी सालाना ब्याज मिल रहा है। इसमें जमा पैसों पर जो भी सालाना ब्याज होता है, उसे 12 हिस्से में बांट दिया जाता है, और वह हर महीने आपके अकाउंट में आएगा। अगर आप मंथली पैसा न निकालें तो वह आपके पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट में रहेगी और मूलधन के साथ इस धन को भी जोड़कर आपको आगे ब्याज मिलेगा। इस स्कीम की मैच्योरिटी 5 साल है, लेकिन 5 साल बाद नए ब्याज दर के हिसाब से इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

क्या है स्कीम के लिए योग्यता

- बालिग के नाम से सिंगल अकाउंट
- ज्वॉइंट अकाउंट (अधिकतम 3 एडल्ट मिलकर) (ज्वॉइंट A या ज्वॉइंट B)
- माइनर के नाम पर उसका गार्जियन अकाउंट खोल सकता है
- 10 साल का माइनर है तो उसके नाम से

क्या है पीओएमआइएस

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम यानी पीओएमआइएस में आपको एकमुश्त निवेश करना होता है। उसी पर आपको ब्याज दर का फायदा मिलता है। इस स्कीम में निवेश करने के बाद आपको 5 सालों तक ब्याज का लाभ मिलता रहता है। मंथली इनकम स्कीम डाकघर की एक छोटी बचत योजना है। इस स्कीम में सिंगल और ज्वाइंट दोनों तरह से अपना खाता खुलवा सकते हैं। इस स्कीम में निवेश करने पर आपको वर्तमान में 7.4 प्रतिशत की ब्याज दर मिल रही है।

खबर संक्षेप

लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं

बावल। बावल क्षेत्र के गांव खरखड़ी में कन्या जन्म पर कुआं पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कन्या के पिता मनीष ने कहा कि वर्तमान समय में लड़का और लड़की एक समान है। लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं है। समाज में लड़की को भी भी लड़के की तरह पूरा मान-सम्मान मिलना चाहिए। कन्या के दादा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल से सेवानिवृत राजसिंह ने कहा आज के समय में लड़का-लड़की के भेदभाव को भूलकर दोनों को एक समान समझना चाहिए।

आजमनगर और ढाणी फैजाबाद में शिविर संपन्न

नारनौल। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुरा के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर लहरोदा के तहत गांव आजमनगर सिहार एवं ढाणी फैजाबाद में शनिवार को लिंग अनुपात में सुधार के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें रामपुरा अस्पताल के प्रभारी डा. नवीन कुमार सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अशोक कुमार, मल्टीपर्पज हेल्थ वर्कर सुनील कुमार, एएनएम निर्मला एवं सुमन तथा आशा वर्कर प्रियंका व सुमन मौजूद रही।

ट्रैफिक पुलिस ने ऑटो चालकों को बताए यातायात के नियम

हादसों को रोकने के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन जरूरी : सुरेश

जिले को नशामुक्त बनाने के लिए हर वर्ग की सहभागिता जरूरी इसलिए किसी भी प्रकार के नशे से दूरी बनाकर रखें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी/धारूहेड़ा

रेवाड़ी। ऑटो चालकों को ट्रैफिक नियम बताते हुए सुरेश कुमार। फोटो : हरिभूमि

ट्रैफिक पुलिस की ओर से शनिवार को धारूहेड़ा बस स्टैंड पर एसआई सुरेश कुमार ने ऑटो रिक्शा चालकों को यातायात के नियमों की जानकारी दी। लंबे समय से पुलिस को कस्बे के कई स्थानों पर ऑटो चालकों के लापरवाह रवैये की शिकायतें प्राप्त हो रही थी।

ट्रैफिक प्रभारी ने कहा कि चालकों की ओर से लापरहवाही बरतने पर भारी जुर्माना लगाने सहित वाहन का इंपाउंड भी किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थित से बचने के लिए चालक ऑटो में निर्धारित यात्रियों को ही बैठाएं। ऑटों में ज्यादा यात्री होने से हादसे का डर रहता है। उन्होंने कहा कि जीवन एक अनमोल उपहार है, इसलिए अपनी व दूसरों के जीवन की रक्षा के लिए सभी चालक ट्रैफिक नियमों का पालन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि सभी चालक ऑटो को दुरुस्त रखने के साथ नंबर प्लेट व सभी कागजात पूरे रखे। उन्होंने कहा कि जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए हर वर्ग की सहभागिता जरूरी है, इसलिए किसी भी प्रकार के नशे से दूरी बनाकर रखे। सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

वाहन चलाते समय इन बातों का रखे ध्यान

चौपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाएं। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनें, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करें। लाल बत्ती पर रुके, पीली बत्ती पर सावधान रहें और हरी बत्ती पर आगे बढ़े। ओवर स्पीड़ में वाहन न चलाएं, गति सीमा का पालन करें। शराब पीकर या नशा करके गाड़ी न चलाएं। ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें। सड़क पर हमेशा बाईं ओर गाड़ी चलाएं और लेन का पालन करें। पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों और अन्य वाहनों का ध्यान रखें। अन्य वाहनों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। ट्रिपल राइडिंग न करें। ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य दस्तावेज साथ रखें। सड़क सुरक्षा संकेतों का पालन करें। सड़क पार करने से पहले दोनों तरफ देखें।

छात्रों ने व्याख्यानमाला, गायन और सुलेख प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

- प्राचार्य नाहड़िया ने हरियाणा की चर्चित रागनियों के मुखड़े सुनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुंड

रेवाड़ी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते अतिथि व प्राचार्य।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीहा में शिवालिक सदन के तत्वावधान में शनिवार को अनेक कार्यक्रमों की धूम रही।

डीपीसी राजेंद्र शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में डाइट हुसैनपुर से मनोवैज्ञानिक व कवि दीपक कुमार ने मुख्य वक्ता, इतिहासकार अनूप कुमार तथा डीपीई महेंद्र सिंह पूनिया ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य एवं साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया ने समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में व्याख्यानमाला, गायन व सुलेख प्रतियोगिता, प्रतिभा प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह मुख्य आकर्षण थे। मुख्य अतिथि ने प्रवेश उत्सव के साथ बालसभाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यालय में दाखिला लेने वाले सभी नए विद्यार्थियों तथा बालसभा विजेताओं को सम्मानित किया। मुख्य वक्ता दीपक कुमार ने साइबर सेफ्टी एंड सिक्योरिटी तथा डिजिटल लिटरेसी पर जानकारी दी। प्राचार्य नाहड़िया ने हरियाणा की चर्चित रागनियों के मुखड़े सुनाएं।

यूपीएससी परीक्षा में सफलता पाने वाले प्रमोद का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

रेवाड़ी। प्रमोद को सम्मानित करते विधायक अनिल यादव व अन्य लोग। फोटो :हरिभूमि

यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर गांव डहीना निवासी प्रमोद यादव को शिवा स्कूल परिसर में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कोसली के विधायक अनिल यादव ने प्रमोद यादव को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बेटे ने सफलता प्राप्त कर पूरे गांव व क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। एडवोकेट जलदीप यादव के पुत्र प्रमोद यादव ने यूपीएससी में प्रथम प्रयास में ही 635रैंक लेकर सफलता प्राप्त की है। प्रमोद यादव ने आईआईटी वाराणसी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग 2022 में उत्तीर्ण की थी। उसके बाद रिलायंस में बतौर मैनेजर रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल्स में जामनगर में काम किया। उन्होंने इंडियन आयल कारपोरेशन हैदराबाद में भी सेवाएं दी। इसके बाद परीक्षा उत्तीर्ण कर नायब तहसीलदार बने तथा अब यूपीएससी में सफलता हासिल की है।

- कोसली के विधायक अनिल यादव ने पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद सिविल सर्जन, शिक्षक व अन्य अधिकारी।

मलेरिया से बचाव व रोकथाम की दी जानकारी

रेवाड़ी। सिविल सर्जन डा. नरेंद्र दहिया की अध्यक्षता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोकलगढ़ में जिला स्तरीय विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोकलगढ़ की प्राधानाचार्य पल्लवी ने सिविल सर्जन का स्वागत किया गया। इस मौके पर करीब 40 बच्चों ने भाषण व पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमे पेंटिंग में प्राची ने प्रथम, नेहा ने द्वितीय तथा कुमुद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीएमओ डा. नरेंद्र दहिया व मलेरिया अधिकारी डा. अमित यादव ने विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर सीएमओ डा. दहिया ने बच्चों को मलेरिया से बचाव, रोकथाम व नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मच्छरदानी का प्रयोग करें, पूरी बाजू के कपड़े पहने तथा सप्ताह में एक दिन रविवार को ड्राई-डे मनाएं। उन्होंने कहा कि अपने आसपास साफ-सफाई रखे तथा पानी एकत्रित न होने दे। इस मौके पर हेल्थ इंस्पेक्टर बिरेन्द्र सिंह, विरेन्द्र कुमार एमपीएचडब्ल्यू, सुरेश कुमार एमपीएचडब्ल्य, प्रवीन कुमार आंकड़ा लिपिक, पूनम व मीनाक्षी सहित स्कूल के सभी शिक्षक मौजूद थे।

पहलगाम में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

- बस स्टैंड के तिकोना पार्क से सैनिक रेस्ट हाउस के शहीदी स्मारक तक कैंडल मार्च निकाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

कोसली। पहलगाम में मारे गए निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि देते लोग। फोटो : हरिभूमि

कोसली गांव के ग्रामीणों ने शुक्रवार देर सायं गांव के बस स्टैंड स्थित तिकोना पार्क से सैनिक रेस्ट हाउस में बने शहीदी स्मारक तक कैंडल मार्च निकाला। गांव के गणमान्य लोग तिकोना पार्क में एकत्रित हुए तथा कैंडल जलाकर रोष प्रदर्शन करते हुए शहीद स्मारक पहुंचे तथा कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए लोगो को श्रद्धांजलि दी। लोगों ने पाकिस्तान मुदार्बाद, आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए आतंकवादियों के समूल नाश व आतंकवाद को समर्थन दे रहे पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग की।

प्रदर्शन में जिला पार्षद जीवन हितेषी, शारदा यादव, सरपंच रामकिशन जांगडा, रामफल कोलसिया, गुरदयाल सिंह एडवोकेट, जयकिशन बार प्रधान, ओमप्रकाश डाबला, डा. सतबीर इंदौरा, राजसिंह आर्य, विजय आजाद, डा. महाबीर सिंह, कैप्टन सर्वसुख, पंच शारदा यादव, नीतेश भोरिया, अनिल पंच, भारत पंच, होशियार पुनिया, दयानंद भारद्वाज, सोमदत्त आर्य, संदीप पंच, अमित ,अमन सेठ, कृष्ण पंच, प्रवीण हवलदार, योगाचार्य राजेन्द्र, डा. प्रवीन मुंडाहेड़ा, ओमप्रकाश,उपेंद्र कुमार व रामगोपाल राठी, कैलाश जांगड़ा, हैप्पी यादव सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

रेवाड़ी। कार्यशाला में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

कार्यशाला में विद्यार्थियों को रोजगार संबंधी दी जानकारी

रेवाड़ी। दिल्ली रोड स्थित सतीश शिक्षण महाविद्यालय में शनिवार को रोजगार संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा. चिराग नागपाल ने की। इस मौके पर डा. नागपाल ने कहा कि किसी भी पद के आवेदन के लिए भेजे जाने वाला रेज्यूमे सर्वाधिक महत्व रखते है। उन्होंने कहा कि सरकारी क्षेत्र में अब बहुत अधिक रोजगार के अवसर नहीं है, जबकि अन्य क्षेत्रों में मेहनत व लग्न के बल पर काफी आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, इसलिए सभी विषयों में कड़ी मेहनत करे। प्राध्यापक डा. मृत्युन्जय यादव ने कहा कि सिर्फ मेहनती होना काफी नहीं बल्कि आपकी प्रस्तुति भी काफी मायने रखती है। कार्यक्रम की संयोजक डा. आरती पसरीचा ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर डा. मीनाक्षी व डा. आशा छाबड़ा सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

शिविर में शिकायतों के समाधान के साथ मांगे जा रहे सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। ग्राहक शिकायत समाधान शिविर में जानकारी देते अधिकारी।

- बीएसएनएल मना रहा ग्राहक सेवा माह

भारत संचार निगम लिमिटेड यानि बीएसएनएल की ओर से 30 अप्रैल तक ग्राहक सेवा माह का आयोजन किया जा रहा है। ग्राहक शिकायत समाधान शिविर लगाने का उद्देश्य एफटीटीएच और ब्रॉडबैंड की विश्वसनीयता को बढ़ाने, लीज्ड सर्किट-एमपीएलएस की विश्वसनीयता को बढ़ाने, बिलिंग पारदर्शिता सुनिश्चित करने व ग्राहक शिकायत निवारण को तेज करना है।

बीएसएनएल के महाप्रबंधक पूरनचंद ने बताया कि ग्राहक सेवा माह के तहत अप्रैल में झाबुआ, भटसाना और धारूहेड़ा के गांवों में मोबाइल, एफटीटीएच और लीज लाइन सेवाओं से संबंधित मेलों का आयोजन किया गया। जहां ग्राहकों ने अपनी प्रतिक्रिया, अनुभव और सुझाव साझा किए। महेन्द्रगढ़, जाटूसाना, नारनौल और कोसली के ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिविर लगाए गए। शिकायत समाधान शिविर में मोबाइल, लैंडलाइन, ब्रॉडबैंड और फाइबर सेवाओं से संबंधित मुद्दों का समाधान, सिम कार्ड और एफटीटीएच कनेक्शनों की बिक्री, नए योजनाओं और प्रस्तावों की जानकारी, नेटवर्क कवरेज और गुणवत्ता में सुधार के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए।

मनरेगा योजना से व्यक्ति को उसके गांव में ही मिल रहा रोजगार : अभीर

- पंचायत विभाग के निदेशक ने रेवाड़ी और बावल के गांवों में विकास कार्यों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। मनरेगा के विकास कार्यो का निरीक्षण करते हुए निदेशक डा. अभीर।

विकास एवं पंचायत विभाग के निदेशक डा. जे के अभीर ने शनिवार को रेवाड़ी और बावल ब्लॉक के गांवों में करोड़ों रुपए की लागत से मनरेगा योजना के तहत कराए गए विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि गांवों में लोगों को मनरेगा स्कीम के अंतर्गत अधिक से अधिक रोजगार दिलाया जाए। पंचायत विभाग के निदेशक डा. अभीर ने कहा कि हरियाणा राज्य मनरेगा श्रमिकों को भारत वर्ष में सबसे अधिक मेहनताना दे रहा है। यहां श्रमिक को 400 रुपए प्रति दिन के हिसाब से दिहाड़ी दी जाती है। रेवाड़ी जिले में अभी 8 हजार से अधिक मजदूर मनरेगा में काम कर रहे हैं। मनरेगा योजना का सकारात्मक पक्ष यह है कि एक आदमी को उसके गांव में ही रोजगार मिल रहा है, उसे कहीं दूसरी जगह जाने की आवश्यकता नहीं है। डा. अभीर ने बावल ब्लॉक के रुध व खेड़ी डालूसिंह गांव में बनाए गए रास्तों का निरीक्षण किया। उन्होंने जलालपुर में नहर की कराई जा रही सफाई का जायजा लिया। उन्होंने रेवाड़ी ब्लॉक के गांव रामगढ़ में जोहड़ के चारों तरफ बनाई गई पक्की दीवार तथा गांव गोकलपुर में नवनिर्मित सड़क का अवलोकन किया।

डिजिटल अरेस्ट का डर दिखा ठगी करने के दो आरोपी काबू

- जाहिदपुर के संस्कृत टीचर से 4.19 लाख रुपये की ठगी करने का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जनवरी माह में जाहिदपुर के एक संस्कृत टीचर को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर प्रताड़ित करते हुए 4.19 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में साइबर थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों को कोर्ट से रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। 15 जनवरी को साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में संस्कृत टीचर सुधीर सिंह ने बताया था कि उसके पास मोहित हांडा के नाम से एक व्हाट्स एप कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने उसे बताया कि उसने उसकी आईडी पर कृष्ण गुप्ता ने मुंबई एचडीएफसी बैंक में खाता खोलकर 68.50 लाख रुपये की मनी लांड्रिंग की है। वह इस समय सीबीआई की हिरासत में है। उसकी बात सुनकर सुधीर बुरी तरह घबरा गया। उसे एक यूपीआई नंबर देर 16000 रुपये ट्रांसफर करने को कहा गया। उससे बार-बार पैसों की मांग की गई।

अरेस्ट समझकर कमरे में रहा बंद

संस्कृत टीचर ने पुलिस शिकायत में बताया था कि वह मानसिक रूप से बुरी तरह प्रताड़ित हो गया था। उसने खुद को कमरे में बंद करने के बाद परिजनों से भी बात करना बंद कर दिया था। इसी दौरान उसका दोस्त सोमबीर वहां आया। सोमबीर को उसने सारी बात बताई तो वह उसे साइबर थाने लेकर आया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। इस मामले में पुलिस ने जोधपुर के शक्ति कॉलोनी निवासी सौरभ पंवार और जोधपुर के कापेड़ा निवासी बुधराज उर्फ बुद्धाराम को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला दुर्भाग्यपूर्ण : संतोष यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। संतोष यादव, पूर्व डिप्टी स्पीकर।

- पूर्व डिप्टी स्पीकर ने आतंकी हमले की निंदा की

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों ने बेहद ही कायराना तरीके से हमला किया है, जो की बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय घटना है। आतंकवादियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बुजदिल और घिनौने कृत्य को अंजाम देने वालों पर कार्रवाई होगी, क्योंकि केंद्र की मोदी सरकार अपराध के सख्त खिलाफ है। हर भारतीय की आंख नम है और इस दुख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। उक्त बातें हरियाणा विधानसभा की पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव ने कही। उन्होंने कहा कि इस दुखदाई घटना से पूरा देश दुखी है और इस दुख की घड़ी में केंद्र व प्रदेश सरकार शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी है। संतोष यादव ने इस घटना की कड़ी निंदा की और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना के बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में पांच ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। इनमें सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया गया है, उच्चायोग में रक्षा सेवकों के पद तत्काल खत्म कर दिए गए हैं और पदों पर मौजूद लोगों को वापस जाने के लिए कह दिया गया है तथा राजनीतिकों की संख्या भी घटा दी गई है। इसके अलावा अटारी वाघा सीमा को बंद कर दिया गया है तथा पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा पर भारत आने की अनुमति नहीं होगी और जो आए हुए हैं, उन्हें दो दिन के अंदर वापस जाने के आदेश दिए थे।

विभिन्न संगठनों ने नायब तहसीलदार को राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

आतंकी हमले को लेकर लोगों में आक्रोश बरकरार

- कोसली स्टेशन क्षेत्र के मुख्य तिराहे पर शोक सभा का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

रेवाड़ी। नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते जनप्रतिनिधि व विभिन्न संगठनों के लोग। फोटो :हरिभूमि

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए देश के विभिन्न प्रांतों के नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए शनिवार को कोसली स्टेशन क्षेत्र के मुख्य तिराहे पर शोक सभा का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या पर दुख व शोक व्यक्त करते हुए सरकार से इस प्रकार से हिंदू समुदाय को लक्ष्य कर हत्या करने वाले हत्यारों व उनके समर्थन देने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग की। सभा के बाद नायब तहसीलदार हरिकिशन को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। वक्ताओं ने कहा कि पहलगांव में आतंकवादियों की ओर से हिन्दूओं की नृशंस हत्या से देशवासियों में दुख व आक्रोश है। ऐसा जघन्य अपराध एक सोची समझी साजिश का हिस्सा है, जिससे समस्त हिंदू समाज का खून खोल रहा है। सरकार से पूरी उम्मीद है कि ऐसा अपराध करने वालों को कड़ी सजा दी जाएगी।

इस मौके पर कोसली गांव के सरपंच रामकिशन जांगड़ा, जाहिदपुर गांव के सरपंच प्रतिनिधि प्रीतजीत, भाकली गांव के सरपंच श्याम सिंह, भाकली-2 गांव के सरपंच प्रतिनिधि विजय पूनिया, पूर्व सरपंच हरिओम शर्मा, पूर्व सरपंच राजेन्द्र प्रसाद, नया गांव के सरपंच प्रहलाद सिंह, छव्वा गांव के सरपंच प्रतिनिधि शमशेर सिंह, हिंदू जागरण मंच के देवेंद्र शर्मा, आर एस के निशांत, रामफल कोसलिया, उदयभान डागर, श्रीश्याम सेवा मंडल के प्रधान भोला राम सिंघल, पूर्व प्रधान लीलूराम स्वामी, राजकुमार नठेड़ा, राजपाल यादव, ओमप्रकाश यादव, रमेश कुमार व ईश्वर चंद सहित काफी संख्या में व्यापारी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

पिकअप की टक्कर से ई रिक्शा में सवार 5 घायल

बावल। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर पिकअप की टक्कर से ई-रिक्शा में सवार एक परिवार के पांच लोग घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। खेड़ी रामगढ़ निवासी संजीव कुमार अपनी पत्नी संगीता व तीन बच्चों को ई-रिक्शा में बैठाकर सांजसरपुर जा रहा था। बनीपुर चौक से आगे निकलने के बाद ई-रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। इससे ई-रिक्शा रोड पर पलट गई। पिकअप चालक मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। आसपास के लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। संजीव की बेटी कुमकुम को इस हादसे में ज्यादा चोटें आई हैं।

खेत में शराब पीने से मना करने पर मारपीट

धारूहेड़ा। भटसाना में एक खेत में शराब पी रहे युवकों को जब खेत के मालिक ने वहां बैठकर शराब पीने से मना किया, तो युवकों ने उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। धारूहेड़ा पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। अस्पताल में उपचाराधीन हेमराज ने पुलिस बयान में बताया कि जब वह अपने खेत में गया तो वहां प्रदीप और मोनू शराब पी रहे थे। उसने दोनों को उसके खेत में बैठकर शराब पीने से मना कर दिया। हेमराज ने आरोप लगाया कि दोनों ने उसके साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। इसके बाद जब वह अपने घर लौट रहा था, तो प्रदीप, मोनू व दीपक बाइक लेकर उसके पास आए। इन लोगों ने उसे डंडों से पीटना शुरू कर दिया। तीनों उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। उसके भाई रोशनलाल ने उसे घायलावसा में ट्रॉमा सेंटर में दाखिल कराया।

शराब ठेके का कैश लूटने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। गत 23 मार्च को खिजूरी में शराब ठेके पास पिकअप गाड़ी का शीशा तोड़कर करीब 4 लाख कैश लूटने के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है। उसे जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष पेश करने के बाद बाल सुधार गृह भेज दिया गया। इस मामले में पुलिस तीन आरोपियों को पहले ही काबू कर चुकी है। धारूहेड़ा के खलियावास मोहल्ला निवासी सौरव ने बताया था कि वह एक शराब कंपनी के ठेकों पर बतौर इंचार्ज लगा हुए है। शराब ठेकों का कैश कलेक्शन वही करता है। अन्य ठेकों से कैश कलेक्ट करने के बाद वह खिजूरी ब्रांच पर गया था। सेल्समैन विकास उसे ठेके का कैश देने के लिए गाड़ी के पास आया तो नकाबपेश पांच युवक दो बाइकों पर वहां आए। इन लोगों ने उसे और विकास को पीटना शुरू कर दिया। गाड़ी के शीशे तोड़ते हुए आरोपी अंदर रखा हुआ कैश का बैग लेकर भाग गए। पतीन आरोपियों को पुलिस ने काबू कर लिया था। अब राजस्थान के कोटकासिम निवासी एक नाबालिग को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है।

सैनिक स्कूल में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का उद्देश्य राज्यों के बीच सांस्कृतिक दूरी को कम करने का प्रयास

- प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सुब्रोतो सदन बना विजेता कैडेट्स के ज्ञान को सराहा

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

रेवाड़ी। सैनिक स्कूल में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे तथा एनसीसी कैडेट्स इंचार्ज के साथ। फोटो : हरिभूमि

मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार की ओर से प्रसारित एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत सैनिक स्कूल में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी श्रृंखला में स्कूल में कक्षा नौंवी व दसवीं के मध्य शिवजेश कुमार लाइब्रेरियन के नेतृत्व में अंतरसदनीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यालय के युग्म राज्य आंध्र प्रदेश के इतिहास, भाषा, त्योहार, साहित्य, भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक स्थिति व पर्यटन स्थल संबंधी विषयों पर प्रश्न पूछे गए। क्विज मास्टर की भूमिका कैडेट शशि शेखर व कैडेट नीरज ने निभाई। प्रतियोगिता में सुब्रोतो सदन विजेता रहा, जबकि मानेकशॉ सदन ने द्वितीय व अर्जन सदन ने तृतीय स्थान हासिल किया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने कहा कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत एक पहल है, जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक दूरी को कम करने का प्रयास करना है। भारत सरकार की ओर से शुरू किए गए कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को एक दूसरे से जोड़ने के साथ-साथ देश में शांति और सद्भावना को बढ़ावा देना हैं। कार्यक्रम के माध्यम से, एक राज्य के लोग दूसरे राज्य की संस्कृति और परम्पराओं का सही ज्ञान प्राप्त करेंगे। जो लोगों की पारस्परिक समझ को बढ़ावा देगा और इनके आपसी संबंधों को मजबूती प्रदान करेगा, जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होगी।

कैप्टन ने कहा कि आपसी बातचीत, सामंजस्य व सांस्कृतिक आदान-प्रदान लोगों के बीच समझ और प्रशंसा की भावना पैदा करेगी और आपसी संबंध बनाएगी, जिससे राष्ट्रीय एकता की भावना में समृद्धि हासिल होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का उद्देश्य कैडेट्स में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का भी विकास करना भी है ताकि उन्हें भावी जीवन में विविध प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा सके। इस मौके पर उन्होंने कैडेट्स के समसामयिक ज्ञान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता से छात्रों में नवीन ऊर्जा का संचार हुआ। इस मौके पर सभी स्कूल स्टाफ व विद्यार्थी मौजूद थे।

युवा शक्ति-विकसित भारत थीम पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

रेवाड़ी। सेक्टर-18 स्थित प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय में एनसीसी इकाई की ओर से भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मेरा युवा भारत कार्यक्रम के अंतर्गत हुई प्रतियोगिता की थीम युवा शक्ति-विकसित भारत थी। प्रतियोगिता में एनसीसी विंग के 27 कैडेट्स ने भाग लिया और अनेक महत्वपूर्ण व समसामयिक विषयों पर विचार व्यक्त किए। कॉलेज प्राचार्य डा. ज्योति यादव ने युवा शक्ति विकसित भारत थीम पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए एनसीसी कैडेट्स को प्रोत्साहित किया। एनसीसी इंचार्ज ज्योति यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष से कोमल व बीए द्वितीय वर्ष से आशा ने सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति दी।

रेवाड़ी। चिकित्सा शिविर में मौजूद पशु चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

पशु चिकित्सा दिवस पर पशुओं का किया मुफ्त टीकाकरण

- रेबीज रोग पर नियंत्रण और उन्मूलन टीकाकरण का उद्देश्य : डा. नसीब सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

राजकीय वेटरनरी पॉलीक्लिनिक सहारनवास में शनिवार को 'विश्व पशु चिकित्सा दिवस' पर मुफ्त एंटी-रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया।

पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग के उपनिदेशक डॉ. नसीब सिंह यादव ने बताया कि शिविर में पालतू और आवारा कुत्तों एवं बिल्लियों का मुफ्त टीकाकरण किया गया और मुफ्त दवाइयां वितरित की गई। साथ ही रेबीज के प्रति जन जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रेबीज रोग पर नियंत्रण और इसका उन्मूलन करना है। इस शिविर में 65 कुत्तों और बिल्लियों का टीकाकरण किया गया। वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. प्रदीप जांगड़ा ने बताया कि कुत्तों के लिए उपलब्ध रेबीज वैक्सीन इस बीमारी से बचाव में अत्यंत प्रभावी होती है। कुत्तों को रेबीज का टीका लगाने से उनमें रेबीज वायरस के खिलाफ प्रतिरक्षा विकसित होती है। टीकाकरण से कुत्तों में रेबीज होने का खतरा बहुत कम हो जाता है। सही समय पर टीकाकरण करवाने से जानवरों और इंसानों को इस बीमारी से बचाया जा सकता है।

रेबीज खतरनाक जानलेवा बीमारी

डॉ ज्योतिका यादव ने बताया कि रेबीज एक खतरनाक जानलेवा बीमारी है और केवल टीकाकरण ही इसका बचाव का विकल्प है। उन्होंने कुत्ता और बिल्ली पालकों से समय पर टीकाकरण करने का सुझाव दिया। विश्व पशुचिकित्सा दिवस हर साल अप्रैल के आखिरी शनिवार को मनाया जाता है। यह दिन देश के पशुस्वास्थ्य और पशुधन विकास में अहम भूमिका निभाने वाले पशुचिकित्सकों के प्रयासों और समर्पण का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर पशु चिकित्सक डॉ. भूपेंद्र, डॉ शेखर, डॉ. चेतन और डॉ नेहा सहित स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को आगजनी से निपटने की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

रेवाड़ी। डॉक्टरों को जानकारी देते हुए मामचंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

आईएमए की ओर से शनिवार को बाल भवन में अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

अग्नि सुरक्षा अधिकारी मामचंद शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बढ़ते तापमान को देखते हुए डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को आगजनी की घटनाओं की रोकथाम, आपातकालीन प्रतिक्रिया और सुरक्षित निकासी प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में आग बुझाने के उपकरणों के उपयोग पर मॉकड्रिल करके प्रशिक्षण दिया गया।

मामचंद शर्मा ने अस्पतालों के लिए अग्नि सुरक्षा एनओसी प्राप्त करने से संबंधित जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन आईएमए अध्यक्ष डा. दीपक शर्मा, सचिव डा. मनीष तनेजा, संगठन सचिव डा. कृतिका पांडे और कोषाध्यक्ष डा. मनीष कुमार के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक डा. एनएस यादव, संरक्षक डा. पीसी सिंघला व डा. आरएस यादव सहित अनेक वरिष्ठ डॉक्टर मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यशाला में बच्चों को नाटक मंचन की बारीकियां सिखाते प्रशिक्षक। फोटो : हरिभूमि

नाट्य कार्यशाला में रंगमंच की कला सीख रहे बच्चे तीन मई को अग्निशिखा नाटक का होगा मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

कला एवं संस्कृतिक कार्य विभाग की ओर से बाल भवन में 21 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। निःशुल्क नाट्य कार्यशाला में प्रतिभागियों ने रंगमंच की गहराइयों को समझते हुए कई नई गतिविधियों में भाग लिया।

कार्यशाला के पहले सत्र में निदेशक वरिष्ठ रंगकर्मी मदन डागर ने नाट्यशास्त्र में वर्णित नवरस श्रृंगार, करुण, रौद्र, हास्य, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत, और शांत रस पर चर्चा की। उन्होंने प्रत्येक रस के भाव, उनकी प्रस्तुति शैली तथा रंगमंच पर उनके प्रभावों से अवगत कराया। बच्चों ने भावाभिनय के माध्यम से विभिन्न रसों को प्रस्तुत कर उनके व्यावहारिक पक्ष को भी सीखा। रंगकर्मी डा. अंकुर खेर ने प्रतिभागियों को नाटक की उत्पत्ति, उसके ऐतिहासिक और पौराणिक संदर्भों से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि नाटक मानव समाज की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है और नाट्यशास्त्र को पंचम वेद की संज्ञा दी गई है।

बच्चों ने लघु नाटकों का किया मंचन

कार्यशाला में बच्चों को नाटक की उत्पत्ति से जुड़ी विभिन्न कथाओं से अवगत कराया गया और उन्हीं कथाओं के आधार पर बच्चों ने समूहों में विभाजित होकर लघु नाटकों की रचना कर उनका मंचन भी किया। रचनात्मक गतिविधि ने बच्चों में न केवल आत्मविश्वास बढ़ा, बल्कि उनके अभिनय कौशल और प्रस्तुति की समझ को भी समृद्ध किया। कार्यशाला न केवल बच्चों को रंगमंचीय ज्ञान प्रदान कर रही है, बल्कि उनमें सृजनात्मकता, अभिव्यक्ति और टीम भावना का भी संचार कर रही है।

आने वाले दिनों में रंगमंचीय प्रशिक्षण

कार्यशाला आगामी दिनों में रंगकर्मी और विशेषज्ञ सतीश मस्तान बच्चों का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यशाला में लाइट एंड साउंड नाटक अग्निशिखा की भी तैयारी कराई जा रही है। यह नाटक एक महान शिक्षक चाणक्य पर आधारित हैं, जिसका मंचन 3 मई को शाम 7:30 बजे बाल भवन के ओपन थिएटर में किया जाएगा। कार्यशाला में आर्यन, ताव्या, पायल, रितिक, अर्जुन, आंचल, धीरज, नितिन, प्रियंका, धवल, जितेश, पंकज, मयंक सहरावत, यश कुमार, संजय कुमार व हिमांशु सहित अनेक प्रतिभागी भाग ले रहे है।

सोलहराही पंचमुखी हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ आज

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से 27 अप्रैल को सेक्टर-1 सोलहराही स्थित दक्षिणमुखी-पंचमुखी हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। संगठन के प्रधान नवीन सिंघल सीए ने बताया कि सुंदरकांड पाठ का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। कार्यक्रम के मुख्यातिथि समाजसेवी बिशन कुमार सिंघल व विशिष्ट अतिथि कपिल गोयल होंगे। इनके अलावा संगठन की प्रदेश महिला अध्यक्षा सुशीला सर्राफ व प्रदेश सचिव संतोष भी मौजूद रहेंगी। कार्यक्रम को लेकर शनिवार को संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी की जिम्मेदारियां तय की गई। बैठक में रामकिशन अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, सपना अग्रवाल, यशोदा बंसल, उषा रुस्तगी, सीमा खंडेलवाल, पूजा गुप्ता, अंजू अग्रवाल, मीनाक्षी गुप्ता, रजनी जैन, मनु मंगला, प्रिया गोयल, शशि बंसल, आशा मंगला, अशोक बंसल, अनिल गुप्ता, अनिल रस्तोगी, आयुष गुप्ता,आशीष मित्तल, हिमांशु, केसरी नन्दन, ललित गुप्ता व मोहित सिंघल मौजूद थे।

शहरी आवास योजना के लिए आवेदन 30 अप्रैल तक

रेवाड़ी। जरूरतमंद पात्र नागरिकों को आवास दिलाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई है जिसकी अंतिम तिथि 30 अप्रैल है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री आवास योजना-2.0 से शहरी क्षेत्र के लिए योजना शुरू की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य बेघर लोगों को पक्का घर देना है, ताकि वह बेघर नहीं रहें। जिन लोगों के घर कच्चे हैं, वह भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

इसके लिए प्रोत्साहन राशि दी जाती है, ताकि सभी लोगों को अपना घर बनाने का सपना साकार हो सके। इस योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। पारिवारिक वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये, घुमन्तु जाति के परिवारों को प्राथमिकता तथा एक मरला 30 वर्ग गज प्लॉट मात्र एक लाख रुपये हो इस योजना का लाभ ले सकते है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत मकान बनाने के लिए 2.50 लाख रुपये की सब्सिडी का भी प्रावधान है।

सोमाणी कॉलेज में मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस

रेवाड़ी। अंतर्राष्टीय मजदूर दिवस पर 1 मई को सोमाणी कॉलेज में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संगठित व असंठित श्रमिक प्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। संस्था के सह संस्थापक अधिवक्ता विशाल सोमाणी ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि इस कार्यक्रम में प्रशासनिक व पुलिस सेवा के अधिकारियों से लेकर बड़ी संख्या में पूर्व विद्यार्थी तक हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में आने वाले लोगों से सुझाव लेकर संस्था के विकास की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस कार्यक्रम में हवन यज्ञ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेल प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। कॉलेज के मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रो. एसके सिंह, प्रो. गौतम सिंह, प्रो. शीतल, मुकेश कुमार, प्रो. अस्मित कुमार, धर्मेंद्र कुमार, रेखा व राकेश कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इच्छापूर्ण चोले वाले हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ छह मई को

रेवाड़ी। सोलहराही सेक्टर-1 स्थित प्राचीन इच्छापूर्ण चोले वाले हनुमान मंदिर में 6 मई शाम को 5 बजे से सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद मंदिर परिसर में 7 बजे से भंडारे का आयोजन होगा। मंदिर के पुजारी बिजेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि कार्यक्रम में रेवाड़ी से गायक गोपाल वर्मा व दिल्ली से गायक धर्मबीर फौजी मनमोहक भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। मंदिर के संस्थापक भूपेन्द्र गुप्ता ने बताया कि प्राचीन इच्छापूर्ण चोले वाले हनुमान मंदिर के बाबा के प्रति लोगों की काफी आस्था है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मुर्गी फार्म पर तोड़फोड़ के तीन आरोपी काबू

रेवाड़ी। बीकानेर गांव के पास एक मुर्गी फार्म पर तोड़फोड़ करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में सदर थाना पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक स्कॉर्पियो गाड़ी व ट्रैक्टर बरामद किए गए हैं।

पुलिस शिकायत में गंगायचा अहीर निवासी मनसाराम ने बताया था कि उसने बीकानेर श्मशान घाट के पास अपनी जमीन पर मुर्गी फार्म किया हुआ है। मुर्गी फॉर्म पर उसी के गांव के रहने वाले राहुल, प्रदुमन, प्रवीण व ध्वज तीन-चार अन्य युवकों के साथ पहुंच गए। उसने आरोप लगाया था कि इन लोगों ने फार्म के गेट पर ट्रैक्टर से टक्कर मारी। इसके बाद ट्रैक्टर अंदर घुसाते हुए इन युवकों ने फार्म में तोड़फोड़ करना शुरू कर दिया। अंदर खड़ी उसकी पिकअप गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। पुलिस ने इस मामले में जांच के बाद ध्वज, राहुल और प्रवीण को गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त वाहन थाने में जब्त किए गए हैं।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

पत्रकार वार्ता | पुलिस अधीक्षक ने भ्रामक खबरों के प्रसार से बचने की अपील की

पहलगाम आतंकी हमले के बाद हालात संवेदनशील समाज और देश के प्रति मीडिया की जिम्मेदारी बढ़ी

खास बातें
- बाहर से आकर किराए के मकानों में रहने वाले लोगों की वेरिफिकेशन मकान मालिकों को जरूर करानी चाहिए : एसपी हेमेंद्र मीणा

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखाने के संकल्प के साथ रणनीति तैयार कर रही है। पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा जा रहा है। विदेशी नागरिकों की पहचान भी एजेंसियां कर रही हैं। इस समय हालात संवेदनशील बने हुए हैं, जिससे मीडिया की समाज और राष्ट के प्रति जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऐसे में मीडियार्मियों को ऐसी अपुष्ट और निराधार खबरों के प्रचार-प्रसार से बचना चाहिए, जो देश की प्रतिष्ठा को धूमिल करते हुए दुश्मन के लिए हथियार बन जाएं।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए एसपी।

शनिवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में एसपी ने कहा कि पुलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाक के बीच हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। मीडिया की आड़ में कुछ असमाजिक तत्व सोशल मीडिया व दूसरे माध्यम से झूठे वीडियो व आपत्तिजनक सामग्री का प्रसार कर सकते हैं। आपत्तिजनक सामग्री का प्रचार न सिर्फ देश में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ सकता है, बल्कि संवेदनशील समय में देश की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे हालात में मीडिया को जिम्मेदाराना तरीके से अपना दायित्व निभाना चाहिए। जब तक खबर की पूरी तरह से पुष्टि नहीं हो, तब तक खबर प्रसारित करने से बचना चाहिए। सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने में पूरा सहयोग करें।

सुरक्षित माहौल पुलिस की प्राथमिकता

पुलिस जनता को सुरक्षित माहौल देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है। आमजन को भी अपराध रोकने में पुलिस का सहयोग करना चाहिए। अपराध को छुपाने की बजाय पुलिस को उसकी सूचना दें, ताकि समय रहते अपराधियों पर काबू पाया जा सके। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता महिला अपराध पर अंकुश लगाने की है। साथ ही तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध के मामलों को रोकने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस विभाग आमजन को सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल मुहैया कराने के प्रति कृतसंकल्प है। जनता अगर पुलिस को सहयोग करे तो अपराधों में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है।

बाहरी लोगों का वेरिफिकेशन जल्द

एसपी ने कहा कि बाहर से आकर किराए के मकानों में रहने वाले लोगों की वेरिफिकेशन मकान मालिकों को करानी चाहिए। जिन मकान मालिकों ने किराएदारों की वेरिफिकेशन नहीं कराई है, उनकी वेरिफिकेशन कराने के लिए अधीनस्थ अधिकारियों के साथ कार्ययोजना तैयार की जा रही है। शहर व जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में भी प्रभावी योजना तैयार की जा रही है, जिसके जल्द सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। इस मौके पर डीएसपी हेडक्वार्टर डा. रविंद्र सिंह भी मौजूद थे। डीएसपी रविंद्र कुमार ने बताया कि अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों का पता लगाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि उनके निवर्सन की दिशा में कार्यवाही की जा सके।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 27 अप्रैल 2025

विशेष
अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

कवर स्टोरी
रेणु खंतवाल

पैरों की लय पर थिरकता स्वस्थ-आनंदमयी जीवन

वैसे तो अन्य कलाओं की तरह नृत्य भी कला का एक रूप है। लेकिन यह एक ऐसी कला है, जो ना केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखती है, मन को भी प्रसन्नता से भर देती है। कई ऐसे नर्तक-नृत्यांगनाएं हैं, जो वृद्धावस्था में भी पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ थिरकते हैं, आंतरिक आनंद की लय के साथ जीवन जी रहे हैं। नृत्य के बहुआयामी लाभों के बारे में हमें जरूर जानना चाहिए।

पिछले साल जब 90 वर्ष की आयु में जानी-मानी अभिनेत्री और भरतनाट्यम नृत्यांगना वैजयंती माला ने अयोध्या आकर नवनिर्मित राम मंदिर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में रामलला के समक्ष अपनी नृत्य प्रस्तुति दी तो लोग इस उम्र में उनके नृत्य, समर्पण और श्रद्धा देख कर सुखद आश्चर्य से भर उठे। लोग हैरान थे कि इस आयु में जहां इंसान बिना सहारा लिए ठीक से चल नहीं सकता, वहीं वैजयंती माला प्रभु श्रीराम के समक्ष नृत्य प्रस्तुत कर रही हैं। चर्चा उनकी शारीरिक, मानसिक फिटनेस और नृत्य की शक्ति की भी खूब हुई। नृत्य की इस शक्ति को लाखों-करोड़ों लोगों ने अपनी आंखों से देखा।

शरीर रहता है फिट-एनर्जेटिक

वैजयंती माला ही नहीं इस समय देश की कई प्रसिद्ध नृत्यांगनाएं ऐसी हैं, जो सात से ज्यादा दशक पार कर चुकी हैं लेकिन नियमित रूप से अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। इनमें उमा शर्मा और सोनल मान सिंह प्रमुख रूप से शामिल हैं। शोवना नारायण भी उम्र के 75वें पड़ाव पर हैं, लगातार नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। जब वे मंच पर नृत्य करती हैं तो ध्यान उनकी आयु की तरफ जाता ही नहीं। उनके नृत्य की लय, गति और परिक्रमा करने की फुर्ती में, युवाओं से कहीं कोई अंतर नहीं दिखता। इससे ही समझ सकते हैं कि नृत्य ने इन नृत्यांगनाओं को कितना फिट और एनर्जेटिक बना रखा है कि उम्र की थकान या धीमी पड़ती रफ्तार इनके आस-पास भी ठहर नहीं पाती। ये सभी लगभग रोज नृत्य करती हैं और अपने शिष्यों को भी सिखाती हैं।

एक बार अभिनेत्री-नृत्यांगना हेमा मालिनी ने भी मेरे साथ हुई बातचीत में बताया था, 'नृत्य मेरे जीवन का अभिन्न अंग है। मैं रोज नृत्य और योगाभ्यास करती हूं और यही मेरी फिटनेस का राज है। इससे मेरी बॉडी इतनी लचीली हो गई है कि आराम से आवश्यकतानुसार मोड़ सकती हूं। इसकी वजह से मैं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहती हूं और अपने सभी कार्य अच्छी तरह से कर पाती हूं।'

होते हैं ये भी फायदे

वास्तव में नृत्य से इंसान को क्या-क्या फायदे होते हैं, इसकी लिस्ट बहुत लंबी है। नृत्य का संबंध जीवन के हर पहलू से जुड़ा होता है। समाज, देश, संस्कृति, जीवनशैली, रीति-रिवाज और पर्व-त्योहारों से भी नृत्य का कोई ना कोई रूप जुड़ा है। नृत्य से अनेक शारीरिक-मानसिक लाभ मिलते हैं। नृत्य से होने वाले शारीरिक फायदों के बारे में भरतनाट्यम नृत्यांगना सिंधु मिश्रा कहती हैं, 'नृत्य आनंद, मान प्रतिष्ठा के साथ-साथ शारीरिक बल और स्टेमिना बढ़ाता है। नृत्य से पूर्व के जो अभ्यास होते हैं, वे बॉडी को इस तरह टोन करते हैं कि शरीर बहुत मजबूत हो जाता है, खासतौर पर पैर, कंधे और बांहें।' सिंधु मिश्रा का यह कथन इस बात से प्रमाणित होता है कि आपको प्रायः सभी डांसर स्वस्थ ही मिलेंगे। आमतौर पर कभी किसी डांसर को यह कहते नहीं सुना जाता कि उसे फ्रोजन शोल्डर की दिक्कत है। कमर या घुटने दर्द कर रहे हैं। इस तरह नृत्य करने से स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे होते हैं। इसीलिए डांस को एक थेरेपी की तरह भी यूज किया जाता है। इस बारे में युवा कथक नृत्यांगना पंखुड़ी श्रीवास्तव बताती हैं, 'जब मैं कथक केंद्र में कथक का प्रशिक्षण ले रही थी, तब हमारे गुरु पंडित कृष्ण मोहन महाराज जी ने हमें कहा था कि सुबह चार बजे उठ कर तीन-चार घंटे नृत्य का अभ्यास करके दिन की शुरुआत किया करो। इससे तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेंगे। तब से यह नियम मेरे जीवन में अनुशासन के साथ सम्मिलित है।'

कैसे काम करती है डांस थेरेपी

आध्यात्मिक मनोचिकित्सक और रेकी ग्रैंडमास्टर दिलना राजेश कहती हैं, 'अकसर लोग मंच पर, शादी-ब्याह, पार्टी, समारोह में समूह में तो नाचते हैं। लेकिन मैं लोगों से पूछती हूं कि आप आखिरी बार अकेले में कब नाचे थे? जहां बस आप अकेले ही नाच रहे थे? एक खुली किताब की तरह अपनी भावनाओं में मस्त, मगन होकर उस आनंद को महसूस कर रहे थे, जो आपको एक अलग ही अनुभूति के संसार में ले जा रहा था? इसका जवाब अधिकांश लोग नकारात्मक ही देते हैं। उन्हें लगता है अकेले में कैसे नाच सकते हैं? दरअसल, इस बात को कम लोग ही जानते, महसूस करते हैं कि नृत्य हमें खुद से मिलाने का एक चमत्कारी रास्ता है। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हम अकसर अपनी भावनाओं को दबाते चले जाते हैं। घर-ऑफिस का तनाव हमें जकड़े रखता है। ऐसे में नृत्य, जिंदगी में वह खूबसूरत स्थान बनाता है, जहां हम सुरक्षित तरीके से आत्म-उपचार करते हैं। अपनी उस जकड़न से बाहर निकलते हैं। आधुनिक न्यूरोसाइंस कहता है- ट्रॉमा केवल दिमाग में नहीं, शरीर में भी रहता है। जबड़े की जकड़न से लेकर जांघों की स्टिफनेस आपके भीतर छिपे दर्द की गवाह है। लेकिन हम उसे समझ नहीं पाते। ऐसे में नृत्य उस बंद दरवाजे की चाबी की तरह धीरे-धीरे उसे खोलता है। जैसे-जैसे हमारा शरीर नृत्य शुरू करता है, हम एक लय और गति में थिरकने लगते हैं। हमारा शरीर एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है।

इससे नर्वस सिस्टम रिलैक्स होता है। शरीर शांति महसूस करता है। जो लोग भावनात्मक अवसाद और शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं, उनके लिए भी नृत्य एक हीलिंग प्रक्रिया है। जब आप नृत्य के माध्यम से आनंद की अनुभूति करते हैं तो मन-मस्तिष्क में सकारात्मक बदलाव और आनंद महसूस करते हैं, यही डांस थेरेपी है। नृत्य केवल अच्छा महसूस नहीं करवाता बल्कि बायोलॉजिकल रूप से उपचार करता है।' दिलना राजेश आगे बताती हैं, 'मैं कई सालों से ऐसे लोगों से मिलती रही हूं, जो दुख, चिंता, अकेलापन और आत्म-अस्वीकृति से जूझ रहे थे। लेकिन नृत्य के माध्यम से उन्होंने अपनी खोई हुई शक्ति, सहजता, अपनी लय, जीवन की गति और खुद को वापस पाया।'

इस तरह देखें तो नृत्य तन-मन को स्वस्थ रखने वाली, उमंगित करने वाली, ऊर्जा से भरने वाली कला है। आइए हम भी अपने जीवन में नृत्य को सम्मिलित करें। *

नृत्य से मिलती है सबसे ज्यादा खुशी
रानी खानम, कथक नृत्यांगना

मुझे सबसे ज्यादा खुशी नृत्य करने से ही मिलती है। नृत्य से ही सबसे पहले मैंने खुद को पाया। मेरा खुद को देखने का नजरिया बदला। नृत्य के माध्यम से मैं हर वो बात कहती हूं, जो कहना चाहती हूं। नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। नृत्य ने सामाजिक दृष्टि से मुझे बहुत सम्मान-प्यार दिया। मैं मुस्लिम परिवार से हूं तो देश की गंगा-जमुनी तहजीब को मैंने अपने जीवन में उतारा। नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति से जुड़ी पौराणिक कथाओं को जाना। भारतीय परंपरा से जुड़े ज्ञान को समझा। नृत्य के बिना शायद मैं जीवित नहीं रह पाऊंगी। खुद नृत्य करने के साथ ही मैं सामान्य और स्पेशल दोनों तरह के बच्चों को नृत्य सिखाती भी हूं। स्पेशल बच्चों को बचपन से ही अपने आस-पास ऐसा माहौल मिलता है कि वे सहज महसूस नहीं करते। अपनी इच्छाओं को खुलकर अभिव्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में नृत्य उन्हें शक्ति-विश्वास देता है। नृत्य डिसेबल बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने का अवसर देता है। जब बच्चे नृत्य कर रहे होते हैं, वो उनका दिनभर का बेस्ट समय होता है। *

नृत्य मेरी आत्मा है
शोवना नारायण, कथक नृत्यांगना

जब हम जन्म लेते हैं तो हमारी सांस एक नियमित गति और रिद्म में चल रही होती है। बच्चे के हाथ-पैर हिल रहे होते हैं। यह मूवमेंट है। बच्चा कभी रो रहा है, कभी चुप है, यह भाव है। इस तरह हम जन्म से ही लय, ताल, गति, रिद्म और मूवमेंट यानी संगीत और नृत्य को साथ लेकर पैदा हुए हैं। मैं ढाई साल की थी तब से नृत्य कर रही हूं। नृत्य किया तो लगा कि जीवन में सब कुछ मिल गया। नृत्य मेरी आत्मा है, जिसके बिना मैं नहीं रह सकती।

मैं रोज नृत्य करती हूं। नृत्य हमें हर परिस्थिति को स्वीकार करना सिखाता है। जब आप नृत्य में एकाग्र होकर झूमते हैं, तब जीवन की सभी समस्याओं और चिंताओं से मुक्त होकर शांति महसूस करते हैं। पतंजलि ने अष्टांग योग की बात की- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इन सभी को हम क्लासिकल नृत्य के माध्यम से करते हैं। नृत्य हमें फिजिकल, मेंटल और स्प्रीचुअल बैलेंस और टीमवर्क सिखाता है। जब हम नृत्य से जुड़ते हैं तो अपनी संस्कृतिक और साहित्य से भी जुड़ते हैं। *

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है
कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

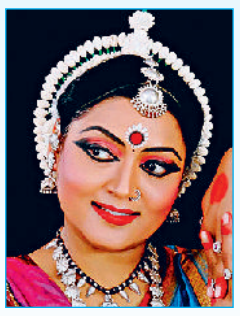

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है, क्योंकि इसमें जो लय, चलन और गति है, वह हमें एक पूर्ण मानव बनाता है। जीवन यात्रा, चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, में बैलेंस, संयम बनाना सिखाता है। नृत्य के माध्यम से मैंने अपनी क्षमता, खूबियों और कमियों को जाना। नृत्य हमें अनुसाशन, धैर्य, सकारात्मक सोच, दृष्टिकोण और समर्पण सिखाता है और यही गुण जब हमारी जीवनशैली में शामिल हो जाते हैं तो हम एक अच्छे नर्तक के साथ-साथ अच्छे इंसान भी बन जाते हैं।

एक सफल नृत्य प्रस्तुति से कई चीजें जुड़ी होती हैं। कई लोगों की मेहनत होती है। इस तरह जब आप नृत्य से जुड़ते हैं तो टीमवर्क और मैनेजमेंट स्किल भी आप सीखते हैं। कलाकार कला के लिए जीता है। कुछ साल पहले मेरे पास एक महिला अपनी बच्ची को लेकर आईं। उस बच्ची का ध्यान बहुत भटकता था, वह एक जगह टिकती नहीं थी। एक साल तक मैंने उसे नृत्य सिखाया और रिजल्ट बहुत अच्छा रहा। ऐसे बच्चे जो पूरी तरह से सामान्य नहीं हैं हम नृत्य के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा के बच्चों के बीच खड़ा कर सकते हैं। *

नृत्य मेरी सांस है
ज्योति डी तोमर, घूमर नृत्यांगना

मैंने पहले कथक सीखा, उसके बाद घूमर नृत्य। नृत्य मेरी सांस है, उसी के माध्यम से मुझे जीवन मिला। मानसिक शांति, संतुष्टि और खुशी मिलती है। नृत्य हमसे केवल समर्पण चाहता है। मुझे इससे इतना गहरा लगाव है कि शादी से पहले मैंने पति से केवल यही शर्त रखी थी कि मैं नृत्य नहीं छोड़ूंगी। जब मैं नृत्य कर रही होती हूं तो सब भूल जाती हूं। ऐसा लगता है कि किसी और ही लोक में पहुंच गई हूं। चिंता, तनाव जैसे भाव बहुत दूर चले जाते हैं। सोच सकारात्मक हो जाती है। यही वजह है कि मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए नृत्य जरूरी है। मैं सबसे कहती हूं कि रोज अकेले में नृत्य करें, जहां केवल आप होंगे, मन के भाव होंगे, खुशी होगी। नृत्य सकारात्मक सोच और शांति प्रदान करता है, जिससे जिंदगी को देखने और डील करने का नजरिया बदल जाता है। नृत्य करने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती। आप कभी भी नृत्य से जुड़ सकते हैं। मेरे पास एक 73 वर्ष की महिला आईं, संकोच से बोलीं, 'मैं हमेशा से नृत्य सीखना चाहती थी लेकिन कभी मौका नहीं मिला। क्या अब सीख सकती हूं?' उन्होंने वर्कशॉप की और फिर वे इतना सुंदर नाचीं कि सब देखते रह गए। मैं डांस सीखने वालों से यही कहती हूं कि जब डांस करो तो स्वच्छंद होकर करो। अगर खुद के साथ जुड़ना है तो नाचना जरूरी है। नृत्य हमारे तनाव को कम करता है और हैप्पी हार्मोंस बनाता है। मैं तो सबसे कहती हूं आनंद से जिंदगी जीनी है तो डांस करें। स्वांतः सुखाय नियमित नृत्य करें। *

कविता / पुरुषोत्तम व्यास

हंसना भी भूल गए

अब तो हंसना भी भूल गए
बात करना भूल गए।
मुख पर ओढ़े धीर-गंभीर भाव
मालूम नहीं कौन-से
बोझ से दबे और लदे
शुभकामना देना भूल गए।
हंसने से पहले सोचा करते
आदमी को तोला करते
छीन न ले कुछ हमसे
छोटी-छोटी बातों से डरे-सहमे
प्रतिष्ठा के मोह में खोए-से
दूसरे को देखना भूल गए।
जीना ही जैसे भूल गए
अब तो हंसना भी भूल गए।

कहानी
दीप्ति श्रीवास्तव

वक्त का तकाजा

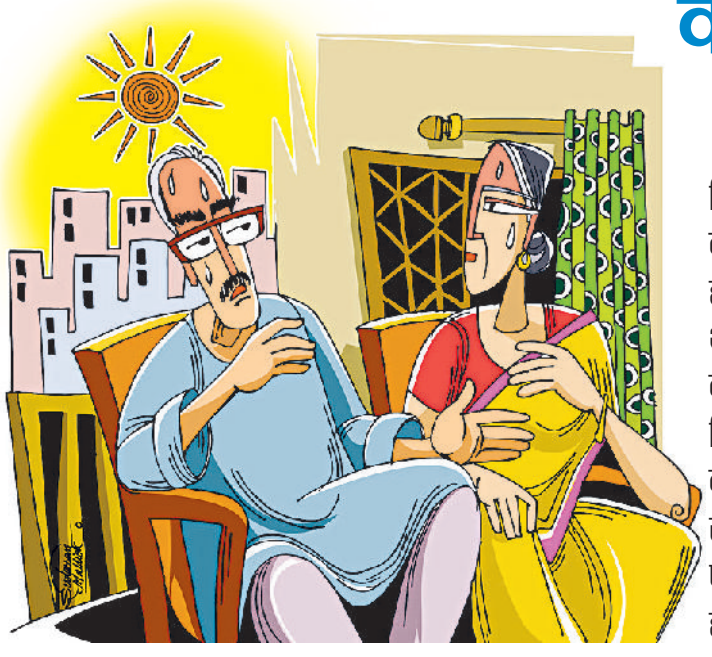

रिटायरमेंट के बाद एक पॉश कॉलोनी में बराड़ साहब ने बहुत ही आलीशान मकान बनवाया था। लोगों से इसकी तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन कुछ दिन बाद ही उन्हें लगा कंक्रीट की यह बिल्डिंग, प्रकृति के सुख से दूर है, परेशानियां ही परेशानियां हैं। प्रकृति से दूर होते इंसान की व्यथा-कथा।

बड़े खुश थे बराड़ साहब। उन्होंने एक पॉश कॉलोनी में बड़े शौक से मकान बनवाया था। उसके इंटीरियर में लाखों रुपए खर्च किए। जो भी आता, घूम-घूम कर घर को दिखाते और बोलते-देखिए, बस्तर आर्ट का दरवाजा, इसकी फिनिशिंग... यह झूमर इतने का... यह कोरियाई कालीन... इत्यादि-इत्यादि। नया घर, नई उन्नत तकनीक की महंगी वस्तुएं, स्वयं अपनी शान बघार रही थीं। वह सोचते, घर बनवाने और शादी के आयोजन में जितना पैसा खर्च करो, कम ही लगता है।

एक साल बाद ही बराड़ साहब का नशा उतरने लगा। जिस उत्साह से वह अपने घर का कोना-कोना लोगों को दिखाते थकते नहीं थे, जिस पर नाज कर रहे थे, अब मिलने आने वालों से कहने लगे, 'ऊपर-नीचे उतरने से मैं परेशान हो गया हूं।' वह दूसरों को सलाह देते, 'ऊपर-नीचे वाला घर कभी न लेना। मेरी हालत देखो, कैसी बुरी हो गई है?'

मिट्टी से फैलती गंदगी, बराड़ साहब को नापसंद थी, इसलिए चमकदार फर्श धूप से गर्म हो जाती। कॉलोनी के हर घर में गमले, पौधों से सुसज्जित थे, जमीन पर सीमेंट का कालीन था। बरसात में होने वाले कीचड़ के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहती।

'गर्मी ने इस बार जल्दी दस्तक दे दी यहां।' पत्नी से बराड़ साहब बोले।

'सरकारी घर में झाड़-पेड़ थे, मिट्टी का आंगन था, जो गर्मी सोख उसका अहसास कम कराता था। कितना अच्छा लगता था जब चिड़ियां घर के आंगन में चहकती थीं। तुमको यह सब अच्छा नहीं लगता, क्योंकि तुम्हरी नजर में इससे गंदगी फैलती थी।' पत्नी बोली।

गर्मी बढ़ने लगी, रात-दिन एसी में रहना पड़ता। अब बराड़ साहब को लगता नाहक बगीचे की जगह सीमेंट की फर्श फैलाकर इतना पैसा खर्च किया। अब उसको हटवाना यानी अपनी बेवकूफी का प्रदर्शन है। आस-पड़ोस वाले क्या सोचेंगे? गर्मी की समस्या से निजात न मिली, ऊपर से पानी ने भी बेहाल करना शुरू कर दिया। बेहद तपती धरा ने अपना जलस्तर बहुत नीचे कर कॉलोनी के सभी बोरवेल को सुखा दिया।

कॉलोनी का व्हाट्सएप ग्रुप घरों में पानी का त्राहिमाम दिखा रहा था। इसी समय लोगों को वाटर रिचार्ज की याद आ रही थी। ये वही लोग थे, जो जरा से कीचड़ से अपनी नाक बंद करने लगते थे, इनका मन घिना जाता था। इन्हीं के कारण पूरी कॉलोनी में सीमेंट की सड़क बिछा दी गई थी।

तभी जोर-जोर से आवाजें सुन बराड़ जी घर से बाहर आए। देखते क्या हैं, पड़ोसी आपस में झगड़ रहे हैं। रात में उनके घर के ओवर हेड टैंक से पानी चोरी हो गया था। हालात बद से बदतर होते जा रहे थे। टैंकर से कॉलोनी की बड़ी टंकी भर दी गई थी, लेकिन दिन में बस एक बार ही, कम समय के लिए पानी सप्लाई किया जा रहा था। पानी की किल्लत इस अप्रैल महीने में! तब मई-जून में क्या होगा? कॉलोनी वासियों की चिंता का विषय बन गया था।

एक दिन भीषण गर्मी में बिजली पूरा दिन गायब रही। इंवर्टर भी आखिरी सांस लेने लगे, लोगों का बहुत बुरा हाल। पानी-बिजली दोनों नदारद। बताओ पैसा जेब में, लेकिन इसका उपयोग कहां करें? कहीं कोई सुविधा नहीं।

नल दिखावे का साधन मात्र रह गए। खरीदे हुए पानी के कैन मुंह चिढ़ा रहे थे। बराड़ साहब को सरकारी बंगले में चौबीसों घंटे बहते पानी की याद आती। वह तो जलसंसाधन विभाग से ही रिटायर हुए हैं।

जिस जल की उन्होंने कभी कद्र नहीं की, आज वह उनको मुंह चिढ़ा रहा है। पानी के लिए नल-जल कनेक्शन की हजारों एप्लिकेशन फाइल में दबी छुपी रोती रहतीं लेकिन उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगती थी। आज अपनी करनी पर पछतावा करने से क्या होगा, जब परिस्थितियों ने बुरी हालातों का शिकार बना रखा है। यह बात उन्हें भीतर ही भीतर खाए जा रही थी। अपने बड़े ओहदे का घमंड, रिटायर होने के बाद उन्हें जमीन पर ले आया था। उनकी हालत देखकर पत्नी ने सुझाया, 'हम लोग बारिश में खाली पड़ी जमीन पर पेड़ लगाकर, उनकी देखभाल करेंगे, साथ ही बगीचे की सीमेंटी फर्श हटवा बड़े, झाड़ लगाएंगे, जहां चिड़ियां चहकते हुए फुदकेंगी।'

अब बराड़ साहब को समझ में आ रहा था, वह महल किस काम का, जहां पानी के लिए इंसान तरस जाए। इतिहास में बड़े-बड़े बादशाहों तक को पानी की कमी के कारण राजधानी स्थानांतरित करनी पड़ी थी। बराड़ साहब ने निर्णय लिया, बगीचे को असल स्वरूप प्रदान कर वर्षा जल का संग्रहण करेंगे और आस-पड़ोस वालों से भी अपने विचार साझा कर उनसे सहयोग की अपील करेंगे।

धरा जो सूखी पड़ रही/न रहा कोख में पानी/
मानव तेरी शर्म का उतर गया है पानी।

बराड़ साहब बड़ी गंभीरता से सोचते हैं, धरा को इस पीड़ा से छुटकारा दिलाने के लिए मजबूत स्तंभ बन वह काम करेंगे। यही वक्त का तकाजा है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गजलों का गुलदस्ता

प्रख्यात कवि, आलोचक और भाषाविद ओम निश्चल बेहतरीन गजलगो भी हैं, इस बात की तस्दीक करती हैं, हाल में आई पुस्तक 'कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए' में संकलित गजलें। यहां अलग-अलग मिजाज और तासीर की कुल मिलाकर 104 गजलें पढ़ी जा सकती हैं। कहीं वे दार्शनिक अंदाज में जिंदगी का फलसफा समझाते हुए कहते हैं, *'कुछ खोकर कुछ पाकर जाना, जीवन क्या है/ दुख से हाथ मिलाकर जाना, जीवन क्या है।'* तो कहीं अतीत की मोहब्बत को याद कर अपने जज्बातों को लफ्जों का लिबास पहनाकर कहते हैं, *'वो पलकों पर ख्वाब सजा के रखती थी/ हम ख्वाबों के पंख उड़ाया करते थे।'* सिर्फ कोमल संवेदनाओं को ही नहीं, अपनी गजलों में राजनीति और व्यवस्था तंत्र में मौजूद विद्रूप को भी वे बिना किसी लाग-लपेट के कठघरे में खड़ा करने से नहीं कतराते हैं। एक बानगी देखिए, *'किया है कत्ल जिसने, घर उसी के/पुलिस भी चाय-पानी कर रही है।'* गजल को वह केवल कुछ कहने का जरिया भर नहीं मानते हैं। तभी तो कहते हैं, *'मेरी गजल तो है इबादत का तरीका बस।'* कह सकते हैं कि गजल के कद्रदानों के लिए यह किताब, गजलों के गुलदस्ते जैसी है। *

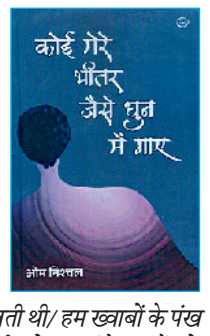

पुस्तकः कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए,
रचनाकारः ओम निश्चल, **मूल्यः** 250 रुपए,
प्रकाशकः सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

पर्यटन स्थल / रजनी अरोड़ा

खूबसूरत वादियों का शहर ऊटी

वैसे तो अपने देश में पर्यटकों के मन में जब हिल स्टेशंस में समर वैकेशन एंज्वॉय करने की बात आती है तो सबसे पहले जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड का खयाल आता है। लेकिन अगर आप इनसे अलग मिजाज के हिल स्टेशन का आनंद लेना चाहते हैं तो इस बार ऊटी का रुख कर सकते हैं। वहां की विशेषताएं और दर्शनीय स्थलों के बारे में जानिए।

गर्मी के मौसम में किसी हिल स्टेशन पर कुछ दिन बिताना, रोमांचकारी और सुकून भरा अनुभव होता है। वहां के खुशनुमा वातावरण में न सिर्फ गर्मी से राहत मिलती है, बल्कि घूमने-फिरने, मौज-मस्ती करने और नई-नई जगहें देखने का मौका भी मिलता है। अगर आप भी आने वाली गर्मी की छुट्टियों में घूमने की योजना बना रहे हैं तो दक्षिण भारत का ऊटी हिल स्टेशन, एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

मन मोह लेती है खूबसूरती

तमिलनाडु राज्य की नीलगिरी पहाड़ियों (ब्लू माउंटेंस) पर स्थित है, ऊटी। इसका पुराना और दूसरा नाम 'उदगमंडलम' है और देश-विदेश के पर्यटकों में यह हिल स्टेशनों की रानी नाम से मशहूर है। ऊटी में पहले टोंगा आदिवासियों का गढ़ था। जब अंग्रेज हिंदुस्तान आए तो उन्होंने ऊटी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया। यहां ब्रिटिश शासनकाल में बनाई गई कई खूबसूरत इमारतें, गेस्टहाउस के रूप में आपका स्वागत करते आज भी मौजूद हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर ऊटी में मौजूद पार्क और झीलें, पर्यटकों का मन मोह लेती हैं।

छतरीनुमा बैठने की जगह मानो पर्यटकों को कुछ पल रुकने के लिए मजबूर कर देती है।

बोटेनिकल गार्डन

1848 में बनाया गया बोटेनिकल गार्डन 22 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। गार्डन की छोटी-बड़ी क्यारियों में पेड़-पौधों की 650 से अधिक किस्में मौजूद हैं। यहां करीब 20 लाख साल पुराने पेड़ का जीवाश्म भी संजोकर रखा गया है। गार्डन में बनी

अनोखी भौगोलिक संरचना

ऊटी की भौगोलिक संरचना ऐसी है कि गर्मी हो या सर्दी, ऊटी का तापमान 5 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। खूबसूरत वादियों में जहां सुबह का मौसम सुहावना और काफी ठंडा होता है। वहीं दोपहर होते-होते सूरज की किरणें ताप को बढ़ा देती हैं और सूर्यास्त के साथ ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और पेड़ों से बहते ठंडी हवा के झोंके रोमांच से भर देते हैं। ऊटी शहर, समुद्रतल से करीब 7,350 फीट की ऊंचाई पर बसा है। अपने प्राकृतिक सौंदर्य की बदौलत देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता है। घाटी में चारों ओर फैली हरियाली, प्रकृति के खूबसूरत नजारे, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, आसमान को छूते देवदार और चीड़ के पेड़, हरे-भरे ढलान और सीढ़ीनुमा खेत पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। चाय-कॉफी के बागानों से आने वाली ताजी महक हवा में फैली रहती है। छोटी-छोटी, ऊंची-नीची पहाड़ियों को काटकर बनाए गए घर और वहां तक जाने की सीढ़ीदार, तंग और संकरी गलियां देखने में बहुत आकर्षक लगती हैं। यहां देखने के लिए कुछ स्थल विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।

ऊटी लेक

शहर से 3 किलोमीटर दूर स्थित ऊटी लेक, दर्शनीय स्थल है। इस लेक का निर्माण 1825 में कोयंबटूर के तत्कालीन कलेक्टर जॉन सुलीवन ने करवाया था। बाद में इसी लेक के नाम पर शहर का नाम रखा गया। यहां पर्यटक बोटिंग, घुड़सवारी ही नहीं, अनुमति लेकर मछली पकड़ने का लुत्फ भी उठा सकते हैं। लेक परिसर के बाहर पर्यटकों को राइडिंग का मजा दिलाने के लिए किराए पर घोड़े उपलब्ध रहते हैं।

चिल्ड्रेन पार्क

ऊटी लेक के पास बना यह पार्क बच्चे ही नहीं बड़ों के भी आकर्षण का केंद्र है। खासकर बच्चे यहां लगे झूले और ट्रवॉय ट्रेन में घूमने का आनंद जरूर उठाते हैं।

सरकारी संग्रहालय

ऊटी की मैसूर रोड पर 1989 में बनाया गया सरकारी संग्रहालय भी देखने लायक है। संग्रहालय में दुनिया भर में मशहूर तमिलनाडु की मूर्तिकला, चित्रकला, सेंडल वुड से बनी अनेक वस्तुओं, मैसूर सिल्क और साउथ कॉटन के वस्त्रों को दर्शाया गया है। यहां आदिवासियों के द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुओं और कपड़ों को भी प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय में ऊटी का पारिस्थितिकीय विवरण यानी इकोलॉजिकल डिटेल भी दी जाती है, जो पर्यटकों को ऊटी की आबोहवा के बारे में जानकारी देती है।

चेरिंग क्रॉस

चेरिंग क्रॉस, ऊटी का दिल कहलाता है। यह एक चौराहा है, जिसके चारों ओर शॉप्स हैं। चौराहे के बीचों-बीच चौतरफा मुंह करके खड़े एंजिल स्टेच्यू, बरबस ही ध्यान खींच लेता है। यह एक फाउंटेन है, जिसके आस-पास लगी रंग-बिरंगी लाइटें रात के समय इसकी खूबसूरती और बढ़ा देती है। चेरिंग क्रॉस में कई दुकानों पर ऊटी में बनी स्पेशल चायपत्ती, होममेड चॉकलेट और मसालों की पचासों वैराइटीज मिल जाती हैं।

रोज गार्डन

ऊटी का दिल कहे जाने वाले चेरिंग क्रॉस के पास 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैला रोज गार्डन, पर्यटकों को खूब लुभाता है। गार्डन में 1000 से अधिक किस्म के गुलाब के पौधे हैं। साथ ही इसमें लगे कई तरह के आर्टिफिशियल पौधे, इस रोज पार्क की सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। *

रोचक / चंद्रप्रकाश

हजारों-लाखों साल पहले धरती पर रहने वाले अनेक जंतु अब विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन जरा सोचिए, कैसा रोमांचक अनुभव होगा, जब कोई विलुप्त जंतु फिर से हमारे सामने आ जाएगा!

फिर से हुआ जिंदा विलुप्त भेड़िया

डायनासोर का नाम सुनते ही एक भयानक और विशाल जंतु का चित्र मन में उभरता है। इसके बारे में आपने पढ़ा, सुना या टीवी/इंटरनेट पर जरूर देखा होगा। लेकिन अब इस धरती पर डायनासोर मौजूद नहीं हैं। डायनासोर ही नहीं, आज से हजारों-लाखों साल पहले इस धरती पर रहने वाले सैंकड़ों जानवर अब विलुप्त हो चुके हैं।

अनेक प्रजातियां हो चुकी हैं विलुप्तः डायनासोर के अलावा धरती से विलुप्त हो चुके जानवरों में हाथी की तरह दिखने वाला मैमथ, पीठ पर बाघ जैसी धारियों वाला तस्मानियाई थायलेसिन, उत्तरी अफ्रीका का सफेद गैंडा, किसी बड़ी मुर्गी जैसा दिखने वाला डोडो पक्षी और अमेरिकी डायर भेड़िया भी शामिल हैं। वर्ल्ड एनिमल फाउंडेशन नामक एक संस्था का मानना है कि यदि विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुकी जंतु प्रजातियों के संरक्षण पर ध्यान न दिया गया तो 2050 तक दुनिया की लगभग आधी जैव-प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। लेकिन इस चिंताजनक आशंका के बीच संतोषजनक खबर यह है कि जेनेटिक इंजीनियरिंग से जुड़ी एक अमेरिकी कंपनी कुछ विलुप्त हो चुके जंतुओं को पुनर्जीवित करने में जुटी है।

अमेरिकी कंपनी है प्रयासरतः अमेरिका के टेक्सास में स्थित डलास शहर में 2021 में स्थापित कोलोसल बायोसाइंसेज नामक एक कंपनी ने चौंकाने वाला दावा किया है। कंपनी का दावा है कि वह 2028 तक कई विलुप्त जानवरों को दोबारा से हमारे बीच जीता-जागता ले आएगी। यह कंपनी जेनेटिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम करती है। यह विभिन्न जीवों के संरक्षण और जैव विविधता की हानि से निपटने के साथ विलुप्तप्राय जानवरों को बचाने का प्रयास कर रही है। साथ ही विलुप्त जानवरों की प्रजाति को दोबारा से वापस लाने का प्रयास भी कर रही है।

पुनर्जीवित हुआ विलुप्त भेड़ियाः विलुप्त जीवों के संरक्षण के प्रयास की प्रक्रिया में कोलोसल बायोसाइंसेज ने हाल ही में ऐसे वुल्फ (भेड़िया) के तीन छौनों (भेड़िया के बच्चे) को लैब में तैयार किया है, जिनमें आनुवांशिक रूप से डायर वुल्फ के गुण मौजूद हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि डायर वुल्फ की प्रजाति आज से लगभग 12 हजार साल पहले विलुप्त हो चुकी थी। जेनेटिकली तैयार किए गए इन छौनों में से दो नर और एक मादा भेड़िया हैं। नर छौनों के नाम 'रोमुलस' और 'रीमस' रखे गए हैं, जबकि मादा छौने का नाम 'खलीसी' रखा गया है।

लेखक की कल्पना हुई साकारः डायर वुल्फ से जुड़ी एक रोचक बात यह हे कि वर्ष 2011 में बनी एक टीवी सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोंस' में इनको जीवंत रूप में चित्रित किया गया था। यह टीवी सीरीज अमेरिकी उपन्यासकार जॉर्ज आर. आर. मार्टिन के कई खंडों में लिखे उपन्यास 'ए सॉन्ग ऑफ आइस एंड फायर' के आधार पर बनाई गई है। यहां इंटरेस्टिंग बात यह भी है कि कोलोसल बायोसाइंसेज द्वारा तैयार किए गए विलुप्त डायर वुल्फ के बच्चों से मिलने के लिए मार्टिन स्वयं वहां पहुंचे। जरा सोचिए, हजारों साल पहले विलुप्त हो चुके जिस डायर वुल्फ के बारे में इमेजिन करके आर. आर. मार्टिन ने अपनी किताब में वर्णन किया, उसे सामने जीवित देखकर उन्हें कितना रोमांचक अनुभव हुआ होगा! अपनी कलम से रचे इन जंतुओं को अपने सामने सचमुच देखना एक भावुक कर देने वाले क्षण था। *

डायर वुल्फ के बच्चे के साथ लेखक जॉर्ज मार्टिन

उपयोगी पेड़ / वीना गौतम

पिछले कुछ वर्षों से स्वादिष्ट फल चीकू की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इसकी खेती किसानों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

किसानों के लिए फायदेमंद स्वादिष्ट फल चीकू की खेती

चीकू, सैपोटेसी परिवार का पेड़ है। इसे कहीं-कहीं सपोटा या सपोडिला भी कहते हैं। इसका वानस्पतिक नाम मनिल्करा जपोटा है। मूलतः सेंट्रल अमेरिका, खासकर मैक्सिको का यह फल 16वीं, 17वीं शताब्दी में स्पेनिश या पुर्तगालियों के जरिए भारत आया था। शुरुआत में यह महज एक सजावटी पौधे के रूप में ही उगाया जाता था। लेकिन धीरे-धीरे महाराष्ट्र और गुजरात में इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी और आज यह इन दोनों राज्यों के प्रमुख व्यावसायिक फलों में से एक है। महाराष्ट्र और गुजरात के अलावा, कर्नाटक के बेलगाम और धारवाड़ क्षेत्र में, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के तटीय क्षेत्रों में, तमिलनाडु में चेन्नई के आस-पास के कावेरी डेल्टा वाले क्षेत्रों में और ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में भी इसकी खेती होती है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार के कुछ क्षेत्रों में भी चीकू की खेती के लिए आदर्श दशाएं हैं। जहां तक चीकू के किस्मों की बात है तो भारत में इसकी सबसे मशहूर किस्में कालीपट्टी (गुजरात), क्रिकेट बॉल, पाला, डीएचएस-1, पीकेएम-1 हैं। कालीपट्टी सबसे मीठा और लोगों द्वारा पसंद की जाने वाली चीकू की किस्म है।

व्यावसायिक महत्वः एक बार चीकू का पेड़ लग जाने पर यह बड़े आराम से 40 से 60 सालों तक फल देता रहता है। यह लगाने के तीसरे-चौथे साल से फल देना शुरू कर देता है और छठें-सातवें साल तक पहुंचते-पहुंचते अपनी पूरी क्षमता से फल देने लगता है। एक परिपक्व चीकू का पेड़ प्रतिवर्ष 150 से 300 किलोग्राम तक फल देता है। बाजार में इस समय जिस तरह से चीकू की कीमत औसतन 40 से 50 रुपए प्रति किलो है, उसके चलते बड़े आराम से एक हेक्टेयर में लगे चीकू के पेड़ों से हर साल किसान लाखों रुपए की आमदनी कर सकते हैं। हालांकि इस स्तर का आर्थिक लाभ पाने के लिए इसकी अच्छी देखभाल और प्रबंधन जरूरी है।

उपयुक्त दशाएंः चीकू की खेती के लिए क्षेत्र का तापमान 20 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिकतम 40 डिग्री सेंटीग्रेड तक रहना चाहिए। चीकू हल्की सर्दी तो सह लेता है, लेकिन जरा सी सर्दी अधिक हुई तो इसे पाला मार जाता है। चीकू की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी दोमट और बलुई-दोमट मिट्टी है। साथ ही ड्रेनेज सिस्टम का होना जरूरी है। इसे लगाई जाने वाली मिट्टी का पीएच मान 6.5 से 8 के बीच सबसे आदर्श होता है।

ऐसे करें चीकू की खेतीः चीकू के पेड़ को जून से जुलाई यानी मानसून की शुरुआत में ही रोपना सही होता है। इसकी नर्सरी रोपने के लिए 1-1 मीटर का गड्ढा क र ना चाहिए। गड्ढे में 10 किलो गोबर की खाद, 50 ग्राम नीम की फली और थोड़ी ट्राइकोडर्मा आदि चीकू के पेड़ की जड़ों को सड़ने से बचाने के लिए डालना चाहिए। दो पौधों के बीच की दूरी कम से कम कतार में 8 फीट होनी चाहिए। लगभग एक एकड़ में 60 से 70 पौधे ही आराम से लगते हैं। शुरुआत के समय यानी पहले एक से दो साल में, जब तक पेड़ परिपक्व नहीं होते, 10 से 12 दिन के भीतर पौधे को पानी देना जरूरी है। एक साल के बाद इस अंतराल को बढ़ाया जा सकता है। जब पेड़ में फूल और फल लगने का समय हो, तब इसे नियमित पानी देना जरूरी है। ड्रिप इरिगेशन इसके लिए अत्यंत फायदेमंद है। *

हाल ही में इरफान खान के बेटे बाबिल खान की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' रिलीज हुई है। फिल्म में बाबिल एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर बने हैं। इस फिल्म के साथ-साथ अपने प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बारे में भी बाबिल ने खुलकर बात की। पेश है इस लंबी बातचीत के प्रमुख अंश।

फर्क नहीं पड़ता आप किसके बेटे हैं सिर्फ परफॉर्मेंस से बात बनती है

बाबिल खान

खास मुलाकात / पूजा सामंत

अपनी तरह के अनोखे एक्टर इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने अपने पिता और मां (सुतापा सिकदर) के नक्शे कदम पर चलते हुए अभिनय की दुनिया में प्रवेश किया है। 'कला' और 'फ्रायडे नाइट प्लान' फिल्मों और 'द रेलवेमैन' वेब शो में नजर आ चुके बाबिल, बीते 18 अप्रैल को जी-5 पर रिलीज साइबर सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में भी नजर आ रहे हैं। हाल में बाबिल ने एक मुलाकात में इस फिल्म के साथ-साथ अपने एक्टिंग करियर और पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत सी बातें शेयर कीं।

सबसे पहले तो यह बताइए कि किस तरह की फिल्म है 'लॉगआउट'?

'लॉगआउट' साइबर क्राइम पर बेस्ड फिल्म है, जो इस समय विकराल रूप ले चुकी है। आज से 15 वर्ष पहले तक शायद ही किसी ने साइबर क्राइम का नाम सुना होगा। लेकिन कंप्यूटर साइंस जितनी तेजी से आगे बढ़ा है, उतनी ही तेजी से कंप्यूटर रिलेटेड फ्रॉड बढ़ते गए। जितना ज्यादा हम लोग मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट का यूज करेंगे, उतनी अधिक सावधानियां बरतनी होंगी। साइबर वर्ल्ड/वर्चुअल वर्ल्ड और साइबर क्राइम के अनेक पहलुओं को ही सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' दिखाती है।

आपने इस फिल्म को क्यों एक्सेप्ट किया?

फिल्म 'लॉगआउट' के एक दृश्य में रसिका दुग्गल के साथ बाबिल खान

वायकॉम 18 और निर्देशक अमित गोलानी ने तीन-चार साल पहले मुझे दो पन्नों की स्क्रिप्ट भेजी थी। मैंने इस फिल्म के निर्देशक से पूरी स्क्रिप्ट मांगी, तब उन्होंने मुझे मिलने बुलाया। मैंने उनसे कहा, 'अगर स्क्रिप्ट पसंद आती है, तो मैं इस फिल्म को जरूर करना चाहूंगा।' मैंने गौर किया 'लॉगआउट' की कहानी तो आज के दौर में बहुत ज्यादा रेलीवेंट है। जब मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के नशे में जरूरत से ज्यादा हम बह जाते है तो हमें इसके दुष्परिणामों का भी सामना करना पड़ता है, यही कहानी का सार है। मुझे लगता है कि इसे हर वर्ग के दर्शकों तक पहुंचाना आवश्यक है।

इस फिल्म में आपने जो किरदार निभाया है, उसके बारे में कुछ बताएं।

फिल्म में मेरे किरदार का नाम है प्रत्युष, जो सोशल मीडिया का स्टार है। वो इंफ्लुएंसर है, यही उसका पेशा है। दिन-रात सोशल मीडिया पर काम करते हुए कैसे उसकी व्यक्तिगत जिंदगी प्रभावित होती है, कैसे उसे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना और लॉगआउट न करना महंगा पड़ता है, यही इस फिल्म में बहुत मनोरंजक ढंग से दर्शाया गया है। मुझे पूरा यकीन है कि फिल्म 'लॉगआउट' में आने वाले ट्विस्ट एंड टर्न्स दर्शकों को हैरत में डाल देंगे।

पर्सनल लाइफ में आप खुद कितने मोबाइल एडिक्ट हैं?

मैं मोबाइल एडिक्ट नहीं हूं। हां, जब टीन एजर था, तो एक बार मैंने पापा से नया मोबाइल लेने के लिए खूब जिद किया था। उन दिनों एक खास ब्रांड के फोन का क्रेज था। लेकिन मैंने जो फोन मांगा वो पापा ने नहीं दि ला या । उन्होंने मुझे ऐसा मोबाइल लाकर दिया, जिसमें प्ले स्टेशन नहीं था, मैं बड़ा मायूस हुआ। पापा और मम्मी यह जान चुके थे कि उस ब्रांड का फोन देने पर मैं प्ले स्टेशन खेलने का एडिक्ट हो जाऊंगा और ऐसा वे नहीं चाहते थे। लेकिन उन्होंने जो किया, उससे मैं मोबाइल-एडिक्ट होने से बचा। इसलिए अगर आज मैं मोबाइल या फिर सोशल मीडिया का एडिक्ट नहीं हूं, इस बात का श्रेय मेरे पैरेंट्स को ही जाता है।

कई स्टार किड्स की तरह आपको भी अपने पिता की वजह से एक्टिंग में चांस मिला, इसे नेपोटिज्म कहा जाता है। इस बारे में आप क्या कहेंगे?

मुझे एक्टिंग का चांस अपने बाबा और मां दोनों की बदौलत मिला है। बाबा तो उम्दा एक्टर थे ही, मां भी एक्टर और राइटर हैं। मुझे इन दोनों से अभिनय विरासत में मिली है। जहां तक नेपोटिज्म की बात है तो यह दौर अब बदल चुका है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप किसके बेटे हैं, केवल परफॉर्मेंस से ही बात बनती है।

अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में बताइए।

एक इंडो अमेरिकन प्रोजेक्ट कर रहा हूं, जिसका नाम है-यक्षि। इसके अलावा निर्देशक शुजीत सरकार की अगली फिल्म की शूटिंग के लिए मैं दार्जिलिंग जा रहा हूं। कुछ काम ओटीटी के लिए भी करने जा रहा हूं, जो अभी फाइनल होने वाला है। *

मेरे सबसे करीबी दोस्त थे बाबा

एक बेटे के तौर पर बाबिल की अपने पापा से किस तरह की बॉन्डिंग थी? इसके जवाब में वे भावुक होते हुए कहते हैं, 'मैं अपने पिता जी को बाबा कहता था। जीवन में एक इंसान को कैसा होना चाहिए और कैसा नहीं होना चाहिए, यह सीख मुझे उनसे ही मिली। मेरे बाबा मेरे सबसे करीबी दोस्त थे। ऐसी कोई बात नहीं थी, जो मैंने उनसे छुपाई हो। बहुत गहरा रिश्ता था हमारा। उन्होंने कभी भी अपनी राय मुझ पर थोपी नहीं। मुझे अपना करियर चुनने की पूरी आजादी दी। मुझे याद है, हम एक मर्तबा रेस्टोरेंट में खाना खाने गए। मुझे खाने की टेबल पर डांस करने का मूड बना, हालांकि तब तक खाना सर्व नहीं किया गया था। मैंने आव देखा न ताव, टेबल पर खड़े होकर डांस करने लगा। मां ने मुझे ऐसा करने से मना किया, लेकिन बाबा ने कहा, 'अगर यह टेबल पर डांस करना चाहता है तो इसे करने दो। लोग क्या बोलेंगे इस पर ध्यान मत देना।' मुझे वो घटना अकसर याद आती है और आंखें भर आती हैं।